जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 223 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 17 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

इज़रायल का ''आयरन डोम'' डिफैंस सिस्टम ईरान के ''मल्टीलेयर्ड'' हवाई हमलों के सामने असफल रहा

''आयरन डोम'' की इस पराजय से भारत में अचानक ''खतरे की घंटियाँ'' बज उठीं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। ईरान द्वारा आयरन डोम में सेंध लगाना इस इज़राइली रक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े करता है, विशेष रूप से ऐसी स्थिति में, जब उस पर तकनीकी रूप से सक्षम और समन्वित हमले किए जाएं। यह पहला अवसर था, जब आयरन डोम स्पष्ट रूप से व्याकुल सा नज़र आया। ईरान का सही तालमेल से किया गया हमला, जिसमें बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज़ मिसाइलें और ड्रोन शामिल थे, इसके लेयर्ड डिफैन्स को चकमा देकर तेल अवीव के किरिया कंपाउंड सहित, कई शहरी और सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने में सफल रहे।

कई सैन्य विश्लेषकों ने इस क्षण को एक ''रणनीतिक परिवर्तन बिंदु'' कहा है, अर्थात वह समय, जब किसी सिस्टम या संगठन को ऐसे बदलाव का सामाना करना पड़े, जो उसके भविष्य की दिशा व सफलता को प्रभावित कर दे। पर इसका मतलब यह नहीं कि आयरन डोम पूरी तरह विफल हो गया, इसने अब भी बड़ी संख्या में हमलों को विफल किया, लेकिन इसकी एक प्रमुख कमजोरी उजागर हो गई है, वो यह कि यह प्रणाली मूलतः छोटी रेंज के, कम मात्रा में होने वाले रॉकेट हमलों से निपटने के लिए बनाई गई थी, जो कि हमास और हिज़्बुल्लाह द्वारा किये जाते हैं, न कि ईरान जैसे बड़े राष्ट्र द्वारा किए जा रहे उच्च मात्रा और बहु-दिशात्मक हमलों से।

भारत, ने इज़राइल से कई रक्षा प्रणालियाँ, जैसे सतह से हवा में मार करने वाली, मिसाइल प्रणाली बराक, एयर डिफेंस सिस्टम स्पायडर, हेरोन यूएवी, हारोप लुटेरिंग म्यूनिशन और फाल्कन एडब्ल्यूसीएस खरीदी हैं, यह एक गंभीर पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता पैदा करता है। भारत के समक्ष भी इज़राइल की तरह जटिल सुरक्षा खतरे हैं, जिनमें परमाणु संपन्न पड़ोसी चीन और पाकिस्तान तथा कई अतिवादी समूह शामिल हैं। यह सेंध दर्शाती है कि इज़राइली प्रणालियाँ, भले ही ''एसिमेट्रिकल'' (असंयमित या असंतुलित) युद्ध में प्रभावी रही हों, परंतु तकनीकी रूप से सक्षम शत्रु के साथ पूर्ण युद्ध में वे पूर्ण सुरक्षा नहीं दे सकतीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत ने सदा इज़रायल के ''आयरन डोम'' सिस्टम पर पूरा भरोसा कर, इस सिस्टम के कई अवतार, जैसे, बराक सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, स्पाइडर एयर डिफैंस सिस्टम, आदि, खरीदे थे तथा शत्रु देश के हवाई हमले को घटिया मानते हुए चैन की नींद सो रहा था।
- ''आयरन डोम'' में छेद होने से यह भी साबित हुआ कि किसी भी ''डिफैंस सिस्टम'' पर पूरा भरोसा करके निश्चिंत हो जाना, कोई अक्लमंदी का काम नहीं है।
- प्रभावशाली सुरक्षा के लिए आयातित डिफैंस सिस्टम, (जैसे आयरन डोम) चाहे कहीं से, विदेश से, इज़रायल, अमेरिका, रूस आदि से आयातित हो, उसका स्वदेशी ''आर.एण्ड डी.'' वैपन सिस्टम से समन्वय होना जरूरी है। उदाहरण के लिए, डी.आर.डी.ओ. द्वारा भारत में विकसित आकाश व क्यू.आर.एस.ए.एम. डिफैंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हवाई हमले, जिसमें लड़ाकू विमान व ड्रोन भारी संख्या में शामिल थे, को नाकाम किया था।
- निरंतर आर.एण्ड डी. ही भारत को कुछ सुरक्षा प्रदान कर सकती है।

आरएएस मुख्य परीक्षा स्थगित करने की याचिका पर सुनवाई नहीं हुई

जयपुर, 16 जून। आरपीएससी की ओर से मंगलवार से शुरु होने वाली आरएएस मुख्य परीक्षा-2024 को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी गई। आकाश मिश्रा व दो अन्य ने याचिका दायर कर मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की गुहार की है। याचिकाकर्ताओं ने अवकाशकालीन न्यायाधीश मनीष शर्मा के समक्ष प्रकरण की सुनवाई सोमवार को ही करने की गुहार की थी, लेकिन अदालत ने सुनवाई से इनकार कर दिया।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि आरपीएससी से 17 और 18 जुलाई को आरएएस भर्ती-2024 की मुख्य परीक्षा का आयोजन कर रही है, जबकि अभी तक आरएएस भर्ती-2023 की भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। वर्तमान में, इस परीक्षा के साक्षात्कार चल रहे हैं। ऐसे में, बीते साल की इस परीक्षा की प्रक्रिया पूरी होने तक आरएएस-2024 की मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए।

याचिका में यह भी कहा गया कि प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री, एमएलए और एमपी मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की सिफारिश कर चुके हैं। इस आधार पर परीक्षा स्थगित होने के निर्णय की प्रतीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- याचिका में कहा गया है कि 2023 की भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। उसके पूरे होने तक 2024 की परीक्षा स्थगित की जाए।

ट्रंप, इज़रायल-ईरान के बीच में भी युद्ध विराम कराने को लालायित

पर, ईरान कतर व ओमान को मध्यस्थ बनाना चाहता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह ईरान और इज़रायल के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता के अपने प्रयासों को लेकर आशावादी हैं, ठीक उसी तरह, जैसे उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति प्रयास किए थे। इस बीच, ईरान ने ओमान और कतर जैसे क्षेत्रीय देशों से मध्यस्थता के लिए संपर्क किया है।

ईरान और इज़रायल के बीच सैन्य टकराव शुरू होने के लगभग 48 घंटे के भीतर, सीमित लेकिन केंद्रित कूटनीतिक प्रयास शुरू हो चुके हैं, जिनका उद्देश्य इस टकराव को और बिगड़ने से रोकना और अंततः कोई समाधान निकालना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने घोषणा की,

''इज़रायल और ईरान के बीच जल्दी ही शांति होगी'' और दोनों देशों को ''समझौता करना चाहिए, और वे करेंगे भी।''अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, ''इस समय बहुत सारे कॉल और बैठकें हो रही हैं। मैं बहुत कुछ करता हूं लेकिन मुझे कभी श्रेय नहीं मिलता, कोई बात नहीं, लोग तो समझते हैं। मिडिल ईस्ट को फिर से महान बनाएंगे।''

इस बीच, जैसे ही इज़रायल ने ईरान पर अपने हमलों का दायरा बढ़ाया, तेहरान ने कतर और ओमान से राजनयिक माध्यमों के जरिए संपर्क किया है और क्षेत्रीय मध्यस्थों से हस्तक्षेप कर बातचीत फिर से शुरु कराने का अनुरोध किया है। यह जानकारी रविवार को कई इज़रायली मीडिया संस्थानों ने इज़रायली सरकारी सूत्रों के हवाले से दी है। उन्हीं इज़राइली सरकारी सूत्रों के अनुसार, ईरान ने कतर और ओमान से अमेरिका तक यह संदेश पहुंचाने को कहा है कि वह संघर्षविराम पर बातचीत के लिए तैयार है, या फिर अमेरिका इज़रायल को हमला रोकने के लिए कहे। वहीं, सऊदी अरब भी कथित तौर पर इस संघर्ष को शांत करने के लिए गुप्त कूटनीति में सक्रिय है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित है, ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच ''सीज़फायर'' करवाया था।
- सऊदी अरब भी परोक्ष रूप से मध्यस्थता के प्रयास में जुड़ना चाह रहा है।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी विदेशी राजदूतों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान ''नेगोशिएटिंग टेबल'' पर आकर, जैसा कि ट्रंप ने कहा है, अपनी न्यूक्लियर गतिविधियों पर नियंत्रण करने को तैयार है। मगर, अमेरिका को इज़रायल के हवाई हमलों को भी रोकना पड़ेगा।

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

सोनिया गांधी को रविवार की रात पेट की तकलीफ के कारण सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को रविवार रात पेट संबंधी समस्या के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को उनकी स्थिति स्थिर बताई गई। डॉक्टरों की विशेष निगरानी में उनका इलाज चल रहा है और फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। इससे पहले, उन्होंने शिमला में अपनी नियमित मैडिकल जाँच करवाई थी।

सर गंगा राम अस्पताल के चयरमैन डॉ. अजय स्वरुप ने इस बात की पुष्टि की तथा कहा, ''श्रीमती सोनिया गांधी को रात 9:00 बजे सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजे विभाग में पेट की समस्या के कारण भर्ती किया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टरों की टीम उनकी सावधानीपूर्वक निगरानी कर रही है।''

अठहत्तर वर्षीय वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, जो अब भी कांग्रेस पार्टी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, ने इससे पहले हिमाचल प्रदेश में चिकित्सीय सलाह ली थी। 7 जून को उन्हें मामूली अस्वस्थता के बाद शिमला के इंदिरा गांधी मैडिकल कॉलेज और अस्पताल (आईजीएमसी) ले जाया गया था, जहाँ उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान ने उस समय स्पष्ट किया था कि उन्हें एहतियात के तौर पर आईजीएमसी लाया गया था।

उन्होंने कहा, वे कुछ मामूली समस्याओं के कारण, नियमित जाँच के लिए आई थीं। डॉक्टरों ने उनकी जाँच की और सब कुछ सामान्य पाया।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सर गंगाराम अस्पताल के चैयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि सोनिया गांधी को रात में सर्जिकल गैसट्रोएन्टेरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर्स की टीम उनकी निगरानी कर रही है, फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।
- गत दिनों जब सोनिया गांधी शिमला में थीं तब भी उनकी तबियत कुछ बिगड़ गई थी और उन्हें जाँच के लिए शिमला के इंदिरा गांधी मैडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ले जाया गया था, तब उनका ब्लड प्रैशर बढ़ा हुआ पाया गया था।

मई में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हुई

नयी दिल्ली, 16 जून। देश में मई 2025 में बेरोजगारी की दर बढ़ कर 5.6 प्रतिशत हो गयी है।

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को यहां जारी श्रम बल सर्वेक्षण - मई 2025 में कहा कि अप्रैल 2025 में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत रही थी जो मई में बढ़ कर 5.6 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि संबंधित सर्वेक्षण में 15 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को शामिल किया जाता है। मई 2025 के सर्वेक्षण के लिए 7511 गांवों और उप नगरों को शामिल किया गया। इसमें 89 हजार 372 परिवार रहे। कुल तीन लाख 79 हजार 600 लोगों से बात की गयी।

- सोमवार को जारी लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, अप्रेल में बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत थी जो बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गई है।

1,500 कश्मीरी विद्यार्थी तेहरान के ''वॉर ज़ोन'' में फंसे हुए है

ये विद्यार्थी, तेहरान में मैडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं, डॉक्टर बनने के लिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। पश्चिम एशिया में इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थिति के बीच, भारत ने ईरान में फंसे लगभग 1,500 कश्मीरी छात्रों, जिनमें अधिकांश तेहरान और उसके आसपास मैडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं, की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राजनयिक प्रयास शुरू किए हैं।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईरानी सरकार ने भारत को आश्वासन दिया है कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों के लिए, सुरक्षित निकासी का मार्ग तैयार किया जा रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ईरानी अधिकारियों के साथ मिलकर निकासी और अस्थायी आश्रय की व्यवस्था में सक्रिय रूप से जुटा है।

इस संकट ने जम्मू-कश्मीर में परिजनों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह ने सैकड़ों चिंतित अभिभावकों की ओर से भावनात्मक अपील की है और भारत सरकार से अनुरोध किया है कि वह राजनयिक प्रयास तेज़ करे और हर संभव कदम उठाए, ताकि फंसे हुये युवाओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा, ''सरकार को तुरंत सक्रिय हो जाना चाहिए। ये छात्र घर से दूर, एक युद्ध क्षेत्र के बीच फंसे हुए हैं और उनकी सुरक्षा राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।''

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिकांश छात्र तेहरान के पास स्थित हुज्जत दोस्त अली छात्रावास में रह रहे हैं, छात्रावास ऐसे क्षेत्र के पास स्थित है, जो सैन्य कार्यवाही तेज होने पर प्रभावित हो सकता है। चिकित्सा छात्रों के अलावा, कई कश्मीरी युवा उद्यमी और व्यापारी भी ईरान में हैं, जो विभिन्न व्यावसायिक और शैक्षिणक गतिविधियों में लगे हुए हैं।

खासतौर से कश्मीर घाटी के श्रीनगर और अन्य हिस्सों में छात्र परिवारों में गहन चिंता का माहौल है। अभिभावक बता रहे हैं कि वे अपने बच्चों के साथ नियमित संपर्क में हैं, लेकिन संचार में बाधाएं, आपूर्तियों की कमी, और हवाई हमलों की आशंका के चलते छात्रों का भय बढ़ता जा रहा है। श्रीनगर-निवासी एक अभिभावक मुश्ताक अहमद ने कहा, ''हम हर दिन अपने बेटे से बात करते हैं, लेकिन उसकी आवाज़ में डर बढ़ता जा रहा है। हम सरकार से अपील करते हैं, कृपया हमारे बच्चों को घर वापस लाएं।''

विदेश मंत्रालय ने इस संकट को स्वीकार किया है और सूत्रों के अनुसार, एक आपातकालीन योजना पर काम किया जा रहा है, जिसमें वहाँ से निकलने के लिये सुरक्षित मार्गों की पहचान, आवश्यकता पड़ने पर भारतीय नागरिकों की एयरलिफ्टिंग, और क्षेत्र में सहयोगी देशों से समन्वय शामिल हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों तथा विद्यार्थियों के लिए एडवाइज़री भी जारी की है, जिसमें घर के अंदर रहने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचने, और दूतावास से लगातार संपर्क में रहने की सलाह दी गई है।

चूँकि भू-राजनीतिक स्थिति अस्थिर बनी हुई है, आने वाले दिन निकासी अभियानों के लिए निर्णायक होंगे। भारत की प्रतिक्रिया न केवल उसकी राजनयिक दक्षता की परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत सरकार इन विद्यार्थियों की हिफाज़त व उन्हें वहाँ से सुरक्षित निकालने के लिए प्रयासरत है।
- ईरान ने भी भारत सरकार को विश्वास दिलाया है कि ईरान भी पूरी तरह इसी कोशिश में लगा हुआ है कि कैसे इन विद्यार्थियों के लिए ''सेफ पैसेज'' की व्यवस्था करें, जिससे वे अपने देश पहुँच सकें।

प्र.मंत्री मोदी को मिला सायप्रस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

निकोसिया, 16 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को यहां साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया गया। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति महल में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया और द्विपक्षीय बैठक के बाद एक संक्षिप्त समारोह में साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'दि ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस-3' से अलंकृत किया।इस मौके पर मोदी ने कहा कि यह किसी नरेन्द्र मोदी का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है और वह भारत के नागरिकों की ओर से पूरी विनम्रता से इस सम्मान को स्वीकार कर रहे हैं।

- सायप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने ''द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस-3'' से मोदी को अलंकृत किया।

'बार-बार निरुत्साहित करने के बावजूद वरिष्ठ अधिवक्ता क्यों ग्रीष्मावकाश में सुप्रीम कोर्ट पैरवी करने आते हैं?'

सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के इस आचरण पर भृकुटि तानी व कटाक्ष किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर वरिष्ठ अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे गर्मी की छुट्टियों के दौरान कोर्ट में पेश न हों, ताकि युवा वकीलों को केस लड़ने का अधिक अवसर मिल सके। सोमवार को कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं की उपस्थिति पर असंतोष जताया।

न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाश पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी आज ऐमटैक समूह के प्रवर्तक अरविंद धाम की ओर से अदालत में उपस्थित हुये। धाम ने मनी लॉण्डरिंग केस में अन्तरिम जमानत दिये जाने का अनुरोध किया था।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान, इस प्रकरण में रोहतगी की उपस्थिति के सिलसिले में मौखिक रुप से कहा, ''हमें समझ नहीं आता कि छुट्टियों में वरिष्ठ वकील क्यों पेश हो रहे हैं। इस कोर्ट ने पहले भी इस पर टिप्पणी की है।''

यह पहला अवसर नहीं है, जब सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकीलों से अवकाश काल में मामलों की बहस से दूर रहने की बात कही है।

जून 2023 में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा था कि ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान, एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड या जूनियर वकीलों को अपने केस प्रस्तुत करने का, तथा उनमें बहस करने का अवसर मिलना चाहिए।

मई 2024 में भी न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने यही भावना दोहराई थी तथा कहा था कि वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट के अवकाश के दौरान, बार के युवा सदस्यों को मुकदमों में बहस करने को अवसर देना चाहिये। जस्टिस करोल ने उस समय कहा था, ''हम चाहते हैं कि युवा बार आगे बढ़े, अवकाश का उद्देश्य भी यही था - युवा अधिवक्ताओं को मंच देना।''

पिछले महीने भी न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने यही राय व्यक्त की थी कि वरिष्ठ वकीलों को गर्मियों की छुट्टियों में कोर्ट में होने वाली सुनवाइयों व बहस से दूर रहना चाहिए।

हालांकि सोमवार को कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी की उपस्थिति पर सवाल उठाया और कहा कि वे कोर्ट के अवकाश के दौरान, केस में बहस करने क्यों आये हैं, लेकिन अंततः कोर्ट ने उनकी संक्षिप्त दलीलें सुन लीं।

रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल पिछले 11 महीनों से हिरासत में हैं और उनकी नियमित जमानत याचिका फरवरी 2025 से दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि ग्रीष्मावकाश के दौरान जब कोई मुकदमा सुप्रीम कोर्ट की ''वैकेशन बैंच'' में लगता है, यह मौका होता है, युवा वकीलों, एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड को बहस करने का, पर, वैकेशन बैंच के समक्ष अगर, फिर वरिष्ठ अधिवक्ता ही आते हैं तो वो युवा वकीलों का ''मौका'' छीनते हैं, जो उचित नहीं है।
- वैकेशन बैंच ने सोमवार को यह टिप्पणी उस समय की, जब, मुकुल रोहतगी अपने क्लाइंट को जमानत दिलवाने के लिए बैंच के सम्मुख पेश हुए।
- बैंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बैंच जमानत के लिए दायर इस अर्ज़ी को पहले ही रद्द कर चुकी है। अतः, अब वरिष्ठ अधिवक्ता वैकेशन बैंच के समक्ष पुनः अपनी अर्जी पेश कर रहे हैं, यह उचित नहीं है।
- मुकुल रोहतगी ने अपनी जमानत की अर्जी वापस लेने का प्रयास किया।

करोना संक्रमण से 11 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली, 16 जून। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान करोना संक्रमण से 11 और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 108 पहुंच गयी और 119 सक्रिय मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामले 7264 हो गये हैं। इससे पहले रविवार को करोना के एक्टिव केसों की कुल संख्या 7383 थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोराना के संक्रमण से केरल में सात,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसी बीच एक अच्छी खबर यह है कि करोना के एक्टिव केसों में मामूली गिरावट आई है। रविवार को करोना के एक्टिव केस 7383 थे जो सोमवार को घटकर 7264 रह गए।

विचार बिन्दु

असफलता नहीं, अपितु निकृष्ट ध्येय ही अपराध है। –जे. आर. लावेल

हादसा-दर-हादसा, न कोई जिम्मेदार न किसी को सजा

गत चार दिनों में देश में तीन बड़े हादसे हुए– पहला, 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान के क्रैश होने से 241 यात्रियों एवं लगभग 60 अन्य व्यक्तियों की दर्दनाक मौत, दूसरा हादसा केदारनाथ जाने वाले हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट समेत सात यात्रियों की मृत्यु और तीसरा हादसा पुणे शहर में पुल के टूटने से लगभग 30 पर्यटक नदी में बहने का, जिनमें से तीन के मृत्यु की पुष्टि। आइए, हम इन पर एक-एक कर विचार करें।

12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान एआई 171 बोइंग ड्रीम लाइनर 787 उड़ान भरने के 2 मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त होकर क्रैश हो गया और इसके कारण विमान में सवार 242 व्यक्तियों में से 241 की मृत्यु हो गई। इसके अलावा मेडिकल हॉस्टल और उसके आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लगभग 60 लोगों की भी मृत्यु हो गई। ये मलबे में दबकर अथवा विमान में लगी आग के कारण जलने से मौत का शिकार हुए।

न्याय संहिता के अनुसार एक व्यक्ति की हत्या करने पर दोषी को आजीवन कारावास अथवा फांसी की सजा होती है। इस विमान हादसे में लगभग 300 व्यक्तियों की मृत्यु हुई, किंतु किसी को दोषी माना जाकर सजा दी जाने की संभावना, पूर्व अनुभव के आधार पर नगण्य है। भारत सरकार ने इस हादसे की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति बना दी है जो तीन माह में अपनी रिपोर्ट देगी । ऐसा ही हर हादसे के समय होता है। जांच होती है, मुआवजा दिया जाता है, रिपोर्ट आती है, किंतु न किसी की जिम्मेदारी तय होती है और न किसी को सजा मिलती है। लोग अगले हादसे के इंतजार में लग जाते हैं।

विमान हादसे में मारे गए डॉ प्रतिक जोशी का पूरा परिवार था जो लंदन में बसने के लिए इस विमान से जा रहा था। इसी हादसे में भाई-बहन शुभ और शगुन मोदी भी मृत्यु के शिकार हो गए, जो घूमने के लिए लंदन जा रहे थे । एक व्यक्ति जिसकी कोर्ट मैरिज दो दिन पहले ही हुई थी वह भी हादसे का शिकार हो गया, जबकि उसकी शादी कुछ समय बाद समारोह पूर्वक होनी थी। मारे गए प्रत्येक परिवार की एक दर्दनाक कहानी है जिसे उनके परिजन जीवन पर्यन्त कभी भूल नहीं पाएंगे। हां, यह अवश्य है कि सरकार द्वारा इसे भी अन्य हादसों की तरह एक और हादसा साबित कर दिया जाएगा जिसके लिए कोई दोषी नहीं ठहराया जाएगा एवं न किसी को सजा दी जाएगी। यही वह कारण है जिससे ऐसे हादसे रुकते नहीं हैं।

जिम्मेदारी तय न होने वाले कुछ हादसों का उल्लेख करना उपयुक्त होगा।

बिजली के झूलते तारों से संपर्क में आने पर बसों में करंट से अनेक लोग झुलसने से मर गए, किंतु इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया गया एवं न किसी को सजा दी गई । इसे हादसा माना जाएगा या किसी विद्युत अभियंता के द्वारा की गई हत्या क्योंकि उसने अपना कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया?

मोटरसाइकिल पर जाने वाला व्यक्ति सड़क पर बैठे हुए किसी सांड से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाए और उसकी मृत्यु हो जाए तब भी किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, न नगर निगम के किसी व्यक्ति को इसके लिए सजा मिलेगी।

सड़क पर स्ट्रीट लाइट के अभाव में प्रकाश व्यवस्था न होने से अंधेरे में वाहन चलाते हुए यदि कोई वाहन चालक खड्डे में गिरकर चोटिल हो जाए या मर जाए तो भी उसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। यही कहा जाता है कि यह विधि का विधान है और परिजन भी इसे अपना भाग्य मानकर, थक- हार कर बैठ जाते हैं।

अस्पताल में किसी व्यक्ति को गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ाने से उसकी मृत्यु हो जाए फिर भी डॉक्टर, कर्मचारियों या अस्पताल प्रशासन को दोषी मानकर किसी को सजा दी गई हो, ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

लगभग दो साल पहले जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा के पास गलत कट देने के कारण टैंकर और बस में टक्कर के कारण विस्फोट होने से कई व्यक्ति झुलस कर मर गए। यह जानकारी नहीं है कि इस लापरवाही के लिए किसी की जिम्मेदारी निर्धारित की जाकर उसे दंडित किया गया हो।

लंबे समय तक सड़क चौड़ी करने के बाद, तारों को हटाने के बाद भी कई महीनों तक खंभे, बीच में ही गड़े रहते हैं । इन खंभों से अंधेरे में टकराकर यदि कोई व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त होकर अपनी जान से हाथ धो बैठे, तो क्या उसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए? जिम्मेदार नहीं ठहराए जाने की यही प्रवृत्ति ऐसी दुर्घटनाओं को प्रोत्साहित करती है।

हाल ही में जयपुर में एक ज्वेलर की फैक्ट्री के सेफ्टी टैंक में सफाई कर रहे श्रमिकों में से चार की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। इसे प्राकृतिक आपदा नहीं कहा जा सकता। इसके लिए क्या उन जिम्मेदार व्यक्तियों जिन्होंने अपने मजदूरों को सेफ्टी टैंक में उतरने के लिए बाध्य किया, के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं होना चाहिए?

एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त वायुयान के वॉइस रिकॉर्डर से मिली प्रारंभिक जानकारी से पता लगता है कि चालक ने यह संदेश दिया था–मे डे... मे डे....मे डे..नो पावर...नो थ्रस्ट...गोइंग डाउन..." । क्या इस प्रकार की स्थिति आने के लिए विमान कंपनी या मेंटेनेंस करने वाले किसी व्यक्ति की कोई जिम्मेदारी नहीं है? लगभग ढाई सौ लोगों को इतनी लंबी यात्रा पर ले जाने के पहले क्यों नहीं सभी प्रकार के सुरक्षा मानदंडों की जांच की गई ?

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि विभिन्न हादसों में किसी उच्च अधिकारी या मंत्री की जिम्मेदारी तय न किया जाना ही इस प्रकार के हादसे को रोकने में असफल होने का प्रमुख कारण है। आशा की जानी चाहिए कि इस बार ऐसा नहीं होगा और उच्च स्तर पर बैठे दोषी व्यक्तियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी एवं उन्हें हत्या के आरोपी की तरह दंडित किया जाएगा। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा।

यह उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया को डायरेक्टर जनरल, सिविल एविएशन द्वारा गत साल में सुरक्षा के पूर्ण उपाय न करने एवं पायलटो की उपयुक्त ट्रेनिंग नहीं होने और विभिन्न तकनीकी खामियों के लिए एयर इंडिया के सी ई ओ कैंपबेल विल्सन को अनेक बार नोटिस दिए गए। संतोष जनक जवाब न मिलने के कारण एयर इंडिया पर जनवरी 2024 में 30 लाख रुपए, मार्च, 2024 में 80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया । यदि सुरक्षा मानकों की पूर्ति न होने के कारण डीजीसीए द्वारा इस एयरलाइंस का लाइसेंस निलंबित या रद्द कर दिया जाता तो फिर आधी-अधूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ यह विमान अहमदाबाद से उड़ान नहीं भर पाता और तब शायद यह हादसा नहीं होता। किसी यांत्रिक कमी के कारण कोई उपकरण समय पर सही तरह काम नहीं करे तो इसके लिए विमान कंपनी को दोषी माना जाना चाहिए। यदि विमान के उड़ान से पूर्व सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित नहीं की गई, तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों को दोषी क्यों नहीं करार दिया जा सकता?

यह बताया गया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डायरेक्टर, जनरल सिविल एविएशन एवं इनके अधीनस्थ विभागों में में अनेक पद रिक्त पड़े हैं, जिनके कारण आवश्यक सुरक्षा जांच में कोताही होना स्वाभाविक था। यही ड्रीमलाइनर हवाई जहाज उसी दिन प्रात: दिल्ली से अहमदाबाद आया था और उसके बारे में यात्रियों ने शिकायत की थी कि एयर कंडीशनर और प्रकाश व्यवस्था उपयुक्त नहीं थी। कहा जा सकता है कि इन कमियों का सुरक्षा से कोई संबंध नहीं है, किंतु यह तो स्पष्ट है कि उड़ान से पूर्व विमान की सारी व्यवस्थाओं की जो जांच हो जानी चाहिए थी, उसमें कहीं लापरवाही बरती गई थी। सरकारी संस्थाओं में जिनके ऊपर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों को लगाने की जिम्मेदारी है, क्या उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? गृहमंत्री अमित शाह ने तो दुर्घटना स्थल पर यह कह दिया कि यह मात्र दुर्घटना है। हमें यह अंतर समझना होगा कि मानव द्वारा बरती गई लापरवाही के कारण होने वाली दुर्घटना, दुर्घटना नहीं है। वह हत्या की श्रेणी में आता है, जिसके लिए दोषियों को कड़ा दंड दिया जाना चाहिए।

सरकार ने जांच समिति को तीन माह में रिपोर्ट देने हेतु कहा है। तीन माह का समय बहुत लंबा होता है। तब तक शायद इस दुर्घटना को भुला दिया जाएगा। केवल उन परिवारों को यह दु:ख जीवन भर सालता रहेगा, जिन्होंने अपने परिजनों को इसमें खोया है।

15 जून, 2025 को केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रैश होने के पीछे यही कारण था कि हेलीकॉप्टर चलाने वाली कंपनियों ने न सुरक्षा का कोई ध्यान रखा, न पायलट कितने घंटे काम कर रहे हैं, इस पर सरकार की एजेंसियों ने कोई ध्यान दिया। हेलीकॉप्टर चलाने वाली कंपनियों का उद्देश्य केवल मात्र यात्रियों से अधिकाधिक पैसे वसूल करना रहा। 3000 रुपए के टिकट के लिए 25000 तक दलालों के माध्यम से वसूल किए जा रहे थे। यदि इसके लिए कोई एस ओ पी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) होता और उसकी पूरी पालना की जाती, तो निरंतर होने वाली ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होतीं और पर्यटकों को बेमौत नहीं मरना पड़ता। इसे भी संभव है, एक हादसा बता कर हेलीकॉप्टर कंपनी फिर पैसे कमाने में जुट जाएगी।

15 जून को ही पुणे में इंद्रायणी नदी पर बने पुल के टूटने से अनेक लोग बह गए जिनमें से चार की मौत हो गई। इस पुल को बहुत पुराना और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होना बताया गया है। यदि वह पुराना था और चलने लायक नहीं था तो, उसे बंद क्यों नहीं किया गया? क्या इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है?

हादसों को दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है, एक वे, जो मनुष्य के नियंत्रण से बाहर हैं एवं केवल पूरी तरह प्राकृतिक आपदा हैं जैसे भूकंप, आकाश से बिजली गिरना आदि। दूसरे वे, जो मानव निर्मित हैं जैसे सड़क में खड्डे होना, बिजली के झूलते तार होना, किसी भी वायुयान की समय पर सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त और पर्याप्त जांच न होना, व्यक्ति को सेफ्टी टैंक में उतारना, नाव में बैठे व्यक्तियों का लाइफ जैकेट के अभाव में डूब कर मर जाना। इनके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का कृत्य किसी भी दृष्टि से क्षम्य अपराध नहीं हैं। ऐसे प्रकरण में व्यक्ति विशेष की जिम्मेदारी तय की जाकर उसे दंड दिया जाना आवश्यक है । केवल छोटे कर्मचारियों, अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने से भी काम नहीं चलेगा। इसके लिए जब तक बड़े अधिकारियों और मंत्रियों आदि को जिम्मेदार मानकर कर उनको दंडित नहीं किया जाएगा, तब तक इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकना संभव नहीं होगा।

नैतिकता तो वैसे भी आजकल के राजनीतिज्ञों में बची ही नहीं है। आजकल लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेता तो है नहीं, जिन्होंने केवल एक रेल दुर्घटना के कारण रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। यहां तो देश के सबसे बड़े हादसे में 300 व्यक्तियों के मारे जाने के बावजूद न तो सिविल एविएशन मंत्री ने इस्तीफा दिया एवं न इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित कर कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया।

ऐसे विमान हादसों में जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान तरीका यह होता है कि पायलट को दोषी बता दिया जाए, क्योंकि पायलट की तो मृत्यु हो चुकी है। उसका कोई बयान भी नहीं आ सकता। ऐसा करके मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

यह उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का अधिग्रहण टाटा ग्रुप ने रतन टाटा के जीवन काल में किया था किंतु कुछ ही समय बाद रतन टाटा का स्वर्गवास हो गया। इस बात का केवल अनुमान लगाया जा सकता है कि यदि रतन टाटा जीवित होते तो क्या वे सुरक्षा मानकों में इस प्रकार की कोताही बर्दाश्त करते?

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि विभिन्न हादसों में किसी उच्च अधिकारी या मंत्री की जिम्मेदारी तय न किया जाना ही इस प्रकार के हादसे को रोकने में असफल होने का प्रमुख कारण है । आशा की जानी चाहिए कि इस बार ऐसा नहीं होगा और उच्च स्तर पर बैठे दोषी व्यक्तियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी एवं उन्हें हत्या के आरोपी की तरह दंडित किया जाएगा। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा। कहीं ऐसा न हो कि फिर वही कहानी दोहराई जाए कि हादसा हुआ, जांच हुई, मुआवजा मिला और फिर उसे भुला दिया गया। यदि ऐसा हुआ तो यह उपरोक्त लिखित तीनों हादसों में मारे गए व्यक्तियों के परिजनों के घाव पर नमक छिड़कने जैसा ही होगा। यदि एक बार उच्च स्तर पर जिम्मेदार व्यक्तियों को हत्या के आरोपी की तरह सजा दे दी गई तो भविष्य में सुरक्षा के काम को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा और इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति से भी बचा जा सकेगा। जवाब देही की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा ताकि विभिन्न मानव निर्मित हादसों का शिकार होकर निर्दोष लोग अपना जीवन न खोएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

"वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" से जल संरक्षण को नई दिशा मिल रही है

नवीन कुमार आनंदकर

राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है, जो अपनी भिन्न-भिन्न भौगोलिक छटाओं के साथ प्रकृति की शुष्कता में अपने रहवासियों की जीवटता के बल पर उत्सव, उल्लास, परंपरा व संस्कृति के असंख्य रंगों से रंगा हुआ है। इन्हीं रंगों में से एक रंग प्रदेश की जल के प्रति आस्था व उसके संरक्षण को लेकर विकसित की गई परंपरागत विधियां हैं। पानी की महत्वता यहां की लोकोक्ति "घी ढुले म्हारो, कुछ न जासी थारो, पानी ढुले थारो जी बळे म्हारो" में भी दृष्टिगत होती है। इसीलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में शुरू किया है- "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान"। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश में जल संरक्षण को नई दिशा दी जा रही है। बूंद-बूंद को मोती के समान सहेजने की हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत रही है। यही विरासत हमें जल संरक्षण की सबसे बड़ी सीख देती है। बरसात और पानी का आना राजस्थानी लोक जीवन में मंगल और उत्सव का सूचक है। इसी से वर्षा ऋतु को लेकर असंख्य लोकगीत राजस्थान में हैं। कृषि से जुड़े त्योंहार, वर्षा से जुड़ी लोकोक्तियां पानी के महत्व और संरक्षण से जुड़ी परंपराएं व आस्था राजस्थान की जल संचयन संस्कृति को दर्शाती हैं। हमारे पुरखों की भांति यदि हम वर्षा जल संचयन को लेकर सतर्क नहीं हुए तो भविष्य में भू-जल संकट का सामना हमारी नियति बन जाएगा। वैश्विक स्तर की बात करें तो दुनिया की एक-चौथाई आबादी जल संकट से जूझ रही है। प्रदेश में वर्षा की कमी तथा भू-जल के सीमित भंडारों के दृष्टिगत नई तकनीकों से युक्त वर्षा जल संरक्षण पद्धितयों के साथ ही पारंपरिक विधियां भी उपयोगी हैं, इनमें प्रमुखत: इस प्रकार हैं-

बावड़ी :- बावड़ियों का निर्माण मुख्य रूप से जल संरक्षण के लिए ही किया गया था। यह एक प्राचीन तकनीक थी, जो पानी के भंडारण और उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थी। राजस्थान में आज भी कई प्रसिद्ध बावड़ियां हैं, जो अपनी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जानी जाती हैं।

टोबा :- नाड़ी के समान आकृति वाला जल संग्रह केन्द्र 'टोबा' कहलाता है। इसमें ढलान नीचे की ओर होता है, जिससे वर्षा जल का इसमें संग्रहण हो जाता है।

कुंड :- इसका निर्माण मुख्यत: मरुभूमि में किया जाता है। रेतीले इलाकों में वर्षा जल को संग्रहित करने की यह प्रमुख विधि रही है। इसके अतिरिक्त पहाड़ पर निर्मित किलों, घरों के आंगन, मंदिरों तथा खेतों में भी बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए कुंड का निर्माण किया जाता है।

खड़ीन :- जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित पारंपरिक जल संचयन संरचना है। यह राजस्थान की शुष्क जलवायु में कृषि के लिए उपयोग की जाती है। इसमें एक लंबी, मिट्टी का बांध होता है, जो ढलानों के पार बनाया जाता है, ताकि बारिश के पानी को इकट्ठा किया जा सके। इनके अलावा कुई, जोहड़, तालाब, झालरा आदि जल संरक्षण की विधियां भी प्रदेश के विभिन्न भागों में अन्य नामों से प्रचलित रहीं हैं।

जल संकट राज्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। राज्य के अधिकांश हिस्से कृषि पर निर्भर हैं और कृषि के लिए जल की आपूर्ति के बिना उत्पादन को बढ़ाना असंभव हो जाता है। इसके अलावा बढ़ती आबादी और औद्योगिकीकरण ने भी जल संसाधनों की मांग को और बढ़ा दिया है। वर्षा जल संचयन, आधुनिक सिंचाई तकनीकों का उपयोग, जल पुनर्चक्रण और जल प्रबंधन उपायों के माध्यम से जल संकट को टाला जा सकता है। एक संयुक्त प्रयास ही जल संकट से निपटने के लिए कारगर सिद्ध हो सकता है। अगर समय रहते सही कदम उठाए जाएं तो जल संकट की चुनौती से निपटा जा सकता है, जिससे कृषि, पर्यावरण तथा अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। नवाचार व प्राचीन पद्धितयों के समागम तथा जल संरक्षण के सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राजस्थान में जल संकट की स्थिति में सुधार संभव है। इन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जन चेतना सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में जल संरक्षण जागरूकता के लिए "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य आम लोगों को एकजुट और जागरूक करके जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना है। हमारे नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी व अन्य जलस्त्रोत हमारी आने वाली पीढियों और मानव सभ्यता के आधार स्तंभ हैं। यह हमारा अनिवार्य दायित्व है कि हम इस महत्वपूर्ण अभियान में सच्चे हृदय से जुड़ें और अभियान के उद्देश्य, जो न सिर्फ मानव जाति, अपितु पशु-पक्षी, वृक्ष व वनस्पति के लिए भी कल्याणकारी हैं, को शत-प्रतिशत प्राप्त करें। इनके साथ ही, जल संरक्षण व संचयन की नवीन विधियों पर अनुसंधान वप्राचीन विधियों के संवर्धन का भी निश्चयात्मक प्रयास हमारी ओर से निरंतर होना चाहिए। युगदृष्टा संत रहीम ने भी कहा है- "रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून। पानी गए न उबरै, मोती, मानुष, चून।।"

नवीन कुमार आनंदकर,
जनसम्पर्क अधिकारी,
राजस्थान लोक सेवा आयोग।

नई और पुरानी पीढ़ी के बीच द्वंद्ध और प्रतिद्वंद : एक विचारणीय प्रश्न!

सुनील दत्त गोयल

आज, हमारे भारत के बारे में एक कड़वा सच लिखने बैठा हूँ। बात है नई जमाने के लोगों और पुरानी पीढ़ी के बीच के फासले की। दोनों की सोच, समझ और ज़िंदगी देखने का नज़रिया कितना अलग हो गया है, ये गौर करने वाली बात है। ये भी देखना ज़रूरी है कि इस सोच के फर्क का हमारे समाज पर क्या असर पड़ रहा है? फायदा क्या है, नुकसान क्या हो रहा है?

पुरानी पीढ़ी का नज़रिया:– वो लोग जिन्होंने गुलामी का दौर देखा, आज़ादी की लड़ाई देखी, देश का बंटवारा झेला, और फिर उसके बाद धीरे-धीरे बढ़ते भारत को देखा... उनकी ज़िंदगी बिल्कुल अलग हालात में गुज़री। उनके मूल्य बने थे त्याग, संयम और सबके भले की सोच पर। कम संसाधनों में गुज़ारा करना, मुश्किलों का सामना करना उनकी आदत में शुमार था। उनकी जड़ें परंपरा और रिवाज़ों में गहरी थीं। समाज को कैसे बांधे रखें, ये उनकी पहली प्राथमिकता थी।

नई पीढ़ी का रुख:– इधर नई पीढ़ी, जो टेक्नोलॉजी और ग्लोबलाइजेशन के बीच पली-बढ़ी है, उसकी सोच और ख्वाहिशें बिल्कुल बदल गई हैं। ये ज्यादा महत्वाकांक्षी हैं, आज़ाद ख्याल हैं और अपनी निजी ज़िंदगी को तरजीह देते हैं। इंटरनेट के ज़रिए दुनिया भर का अनावश्यक एवं अवांछनीय ज्ञान जिसकी उन्हें कोई आवश्यकता नहीं है वह उनकी मुट्ठी में है, जिससे उनकी सोच का दायरा काफी बदल गया है या बड़ा हुआ है। ये एक्सपेरिमेंट और नई चीज़ों को पसंद करते हैं। समाज में बदलाव को लेकर खुले दिमाग के हैं।

कहाँ दिखता है ये फर्क?

ये फर्क हर जगह दिख जाता है:–

1. पढ़ाई-लिखाई: पुराने लोगों के लिए शिक्षा का मतलब था ज्ञान और चरित्र बनाना। आज के युवा इसे करियर बनाने और पैसा कमाने का ज़रिया मानते हैं।

2. नौकरी-धंधा: पहले स्टेबिलिटी और सुरक्षा सबसे बड़ी बात थी। आज का युवा जोखिम उठाकर अपना काम शुरू करना (स्टार्टअप) चाहता है।

3. परिवार और रिश्ते: पुरानी पीढ़ी संयुक्त परिवार और सामाजिक ज़िम्मेदारियों को तवज्जो देती थी। नई पीढ़ी अपनी आज़ादी और प्राइवेसी, अपने ख्याल अपने विचार और अपने फैसलों को भले ही वह आज के इस खतरनाक युग में खरे न उतरते हो और केवल मात्र उनको दिखावे का भ्रम हो, मैं सही हूं और मैं ही ठीक हूं, को ज्यादा अहमियत देती है।

समाज पर क्या असर?

इस बदलाव का समाज पर गहरा असर पड़ा है। एक तरफ, नई पीढ़ी की आधुनिक सोच और टेक्नोलॉजी की जानकारी ने देश को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। नए उद्योग खुले हैं, नौकरियों के रास्ते बने हैं, भारत का दुनिया में दबदबा बढ़ा है। लेकिन दूसरी तरफ, एक कड़वी हकीकत ये भी है कि पुरानी पीढ़ी के सिद्धांतों और मूल्यों को नज़रअंदाज़ करने से समाज में कई बुराइयाँ आई हैं। पारिवारिक बंधन ढीले पड़े हैं। 'मैं' और 'मेरा' की भावना बढ़ी है। सहनशीलता, बड़ों का आदर, उनके अनुभव की क़दर करने की समझ - ये सब कहीं खो सा गया है। मेरा निजी तजुर्बा और मानना यही है कि आज की पीढ़ी के बहुत से लोग मौके का फायदा उठाने वाले (अवसरवादी) बन गए हैं। और ऐसा करके वो खुद का ही नुकसान कर रहे हैं। उन्हें बुजुर्गों का तजुर्बा एक ऐसी पूंजी है, जो मुफ़्त में मिल सकती है, लेकिन वे उसे पाना ही नहीं चाहते। अपने आप को ही सबसे ज्यादा जानकार समझने की ग़लतफहमी में जी रहे हैं।

आज का युवा मानता है कि जो वो जानता है, वो उसके भविष्य के लिए काफी है। पर असलियत इससे उलट है। जिन लोगों ने 30-40-50 साल की ज़िंदगी के तजुर्बे देखे हैं, उन्होंने भारत में हर तरह के बदलाव को अपनी आँखों से देखा है।

परिवारों की नई मुसीबतें:–

पिछले 20-25 सालों में मैंने परिवारों में कुछ नए तरह के झगड़े भी देखे हैं:–

1. माँ-बाप की खींचतान का फायदा: अगर पति-पत्नी में तनाव रहता है या उनकी सोच अलग है, तो बच्चे इसका पूरा फायदा उठाते हैं। जिस काम के लिए उन्हें लगता है पापा मना कर देंगे, वो मम्मी से कहते हैं। और अगर लगता है मम्मी नहीं मानेंगी, तो पापा से पूछते हैं। नतीजा? माँ-बाप में झगड़ा हो जाता है, और बच्चे चैन से अपनी मनमर्जी करते रहते हैं।

2. बच्चों को गलत तरीके से अपने पाले में करना: कई बार माएँ बच्चों को ये सोचकर ज्यादा लाड़-प्यार देने लगती हैं कि बुढ़ापे में यही काम आएंगे। वो बच्चों को पिता की बात न मानने के लिए उकसाती हैं। बच्चों का सामने या पति के पीठ पीछे वह अपने पति की बुराइयां करने में नहीं चूकती और तरह-तरह के लालच देकर, हर ग़लत-सही ख्वाहिश पूरी करके, बच्चों को अपनी तरफ कर लेती हैं। नतीजा? बच्चे अपने पिता से दूर हो जाते हैं। उनके दिल में ये बैठ जाता है कि पापा ही उनके दुश्मन हैं, जबकि हकीकत बिल्कुल अलग होती है। क्योंकि सोचिए न... हर बाप की ख्वाहिश होती है कि उसके बच्चे उससे भी ज्यादा काबिल बनें, ज्यादा सब्र वाले बनें, ज्यादा समझदार बनें, दौलत और शोहरत पाएँ और देश-दुनिया में नाम रोशन करें।

तो रास्ता क्या है?

साफ है कि दोनों पीढ़ियों के बीच एक सेहतमंद बातचीत और समझदारी पैदा करनी ही होगी। हमें बुजुर्गों के तजुर्बे और ज्ञान का सम्मान करना सीखना होगा। साथ ही, नई पीढ़ी की सोच और उसके सपनों को भी समझना होगा। सिर्फ तभी हम एक ऐसा मजबूत और खुशहाल भारत बना पाएंगे जहाँ पुरानी बातों और नई सोच का सही मेल हो। यही एक रास्ता है आगे बढ़ने का।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड,
जयपुर, राजस्थान

राजस्थानी भाषा का मुद्दा भावनात्मक मुद्दा है जो पहचान और स्वाभिमान दोनों से जुड़ा हुआ है

राजेन्द्र जोशी

विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थाई विभाग खुले

भारत का संविधान प्रत्येक राज्य को अपनी भाषा नीति तय करने की स्वतंत्रता दे रहा है। तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भाषाई विवाद सामने आया है। साथ ही वहां की सरकारें भी भाषा के प्रति सदैव संवेदनशील रही है। हम चाहते हैं कि हमारे देश की प्रांतीय भाषाओं में किसी भी प्रकार का भाषाई वैमनस्य न हो, इसके लिए राजस्थान सदैव प्रयास करता रहा है।

अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान की सरकार भाषा के सवाल पर कभी भी संवेदनशील नहीं रही। राजस्थान के लोगो की आवाज को अनदेखा ही किया जाता रहा है। राजस्थान विधानसभा ने राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेज कर हाथ पर हाथ धरे बैठ गया। बड़े खेद का विषय है कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी राजस्थान अपनी भाषा नीति बना नहीं पाया। भाषा के विकास में केवल भाषा की बात नहीं होती बल्कि वहां की संस्कृति, सभ्यता और लोक को जानने-समझने में और जोड़ने का काम करती हैं। राजस्थान जैसे शांत प्रदेश में कभी भी भाषाई मांग के आधार पर कड़ा विरोध अथवा आंदोलन नहीं हुआ। राजस्थानी सदैव राजस्थान सरकार एवं भारत सरकार से राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का शांतिपूर्ण आग्रह करते रहे है। हिंदी को अनिवार्य बनाने के भारत सरकार के प्रयासों को राजस्थान ने कभी विरोध नहीं किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रस्तावित त्रि-भाषा फार्मूले में भी राजस्थानी भाषा को शामिल नहीं किया। बावजूद इसके भी बड़े आंदोलन की रणनीति नहीं बनी। त्रि-भाषा फार्मूले की वकालत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 करती है। जबकि राजस्थान मानता है कि राजस्थानी- हिंदी और अंग्रेजी शिक्षा और रोजगार के लिए पर्याप्त हो सकते हैं। जबकि राजस्थानी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में अथवा राजस्थान में दूसरी राजभाषा बनाने की मांग लगातार होती रही हैं।

राजस्थानी भाषा समाज के लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम रही हैं। विवाद का कारण तो तब हुआ है जब राजस्थानी भाषा को राजस्थान सरकार दूसरी राजभाषा नहीं बना रही और ना ही केंद्र सरकार ने संविधान की आंठवी अनुसूची में मान्यता देने का काम किया। राजस्थानी और हिंदी भाषा के बीच बेहद समृद्ध परंपरा रही हैं। यह बात समझ से परे है कि सरकारे आखिर क्यों नहीं चाहती कि राजस्थानी भाषा को राजस्थान में पढ़ाया जाए। राजस्थान के लिए यह बड़ी विडम्बना है कि हिंदी से बहुत पहले की भाषा और राजस्थान की मातृभाषा पढ़ने के लिए आन्दोलन करने पड़ते हैं। प्रदेश की जमी पर स्थापित राजस्थान के समस्त विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थाई विभाग तक नहीं हैं।

राजस्थान में ही राजस्थानी की यह दुर्दशा निराशाजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

इस डिजिटल युग में सामाजिक जरूरतों और जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए जब जरूरी माना जाने लगा तो ऐसे में राजस्थानी भाषा को मान्यता नहीं मिलने से लगभग बारह करोड़ राजस्थानी डिजिटल युग में सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला कैसे कर सकेंगे। राजस्थानी भाषा को मान्यता के बिना अनेक लोग आर्थिक रूप से और सामाजिक रूप से डिजिटल दुनिया से बाहर रह सकते हैं। यह असमानता को भी बढ़ा सकता हैं और सामाजिक तनाव भी पैदा कर सकता हैं। 12 करोड लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को सामाजिक दूरी बनाए रखना उचित नहीं है। राजस्थानी भाषा का मुद्दा भावनात्मक मुद्दा है जो पहचान और स्वाभिमान दोनों से जुड़ा हुआ हैं। प्रधानमंत्री की मेट्रो ट्रेन के सफर के दौरान छात्रों से बातचीत याद आती है जब खुद प्रधानमंत्री ने सह यात्री छात्रों से भाषा संबंधी जानकारी ली एवं उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें अन्य राज्यों की भाषाएं भी जाननी और सीखनी चाहिए। आज की चर्चा का मूल मुद्दा यह है कि राजस्थान में संचालित राजकीय एवं गैर राजकीय विश्वविद्यालयों में अनिवार्य रूप से स्थाई राजस्थानी विभाग संचालित किये जाए। जब स्थाई राजस्थानी विभाग संचालित होंगे तो वहां शोध कार्य भी होंगे और राजस्थानी में शोध कार्य से दुनिया भर को राजस्थानी लोक के बारे में जानकारी मिलेगी, राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, यहां के हवेलियों और महलों के बारे में जानकारी मिलेगी। यहां के फोग से दुनिया परिचित हो सकेंगी। परंतु दुख इस बात का है पहले से स्थापित विश्वविद्यालय और नये खुल रहे विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थाई विभाग नहीं हैं।

–राजेन्द्र जोशी, शिक्षाविद-साहित्यकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 17 जून, 2025

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 1:02 तक, विष्कुम्भ योग प्रात: 9:34 तक, वणिज करण दिन 2:47 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 1:02 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 1:02 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा दिन 2:47 से रात्रि 2:11 तक है और पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:02 से 10:45 तक, लाभ अमृत 10:45 से 2:10 तक, शुभ 3:51 से 5:33 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:18

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी।

सिंह
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना बनेगी। नवीन कार्यों का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

संक्षिप्त

जागरूकता दिवस मनाया

करौला(निंसं.)राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करौली द्वारा 15 जून को जिले में संचालित समस्त वृद्धाश्रमों में विश्व वरिष्ठ नागरिक दुव्र्यवहार जागरूकता दिवस मनाया गया। करौली मुख्यालय पर मंडरायल रोड स्थित विवेक वद्धर्नी शिक्षा एवं मनोविज्ञान सेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पर पैनल अधिवक्ता इमामुद्दीन खान, अधिकार मित्र राधारमन सारस्वत व प्राधिकरण के कनिष्ठ सहायक चन्द्रदीप जैन द्वारा विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।इसी प्रकार टोडाभीम मुख्यालय पर भारती सेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पर अधिकार मित्र देवीसिंह जाटव द्वारा एवं सपोटरा क्षेत्र मे मिझौरा ठाम मे राज फाऊंडेशन सेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पर अधिकार मित्र रामराज बैरवा द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर विश्व वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बताया गया कि यह दिवस बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार और उपेक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों के साथ होने वाले दुव्र्यवहार और उपेक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन बुजुर्गों के मानवाधिकारों और गरिमा की रक्षा करने के महत्व पर प्रकाश डालता है व बुजुर्गों के साथ दुव्र्यवहार के कारणों और प्रभावों के बारे में समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने और उनका समर्थन करने के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए भी मनाया जाता है। वृद्धों के साथ यह दुव्र्यवहार शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय और यौन हो सकता है।बुजुर्गों के साथ दुव्र्यवहार उनके स्वास्थ्य, कल्याण और गरिमा को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बुजुर्गों के साथ दुव्र्यवहार के बारे में जागरूक करने व बुजुर्गों के साथ सम्मान और गरिमा से पेश आने हेतु सभी वृद्धाश्रमो मे यह दिवस मनाया गया।

सम्मान समारोह आयोजित

करौली(निंसं.)करौली के निकट ग्राम टोंके में आयोजित गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में सुनीता बैंसला प्रधान निरीक्षक आयकर विभाग दिल्ली,भाजपा के वरिष्ठ नेता सतवीर चंदीला, अरुण बैसला,सिरमौर सरपंच रामपुर धावाई, के के सारस्वत, जिला मीडिया प्रभारी भाजपा करौली,सूबेदार वीरेन्द्र सिंह, पूर्व प्रधान सियाराम गुर्जर,महाराज सिंह, बहादुर सिंह ताली, रामसिंह ठेकेदार उपस्थित रहे इस दौरान कक्षा 10, और 12 में उत्तीर्ण हुए छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया वही अतिथिओ का स्थानीय पंच पटेलों द्वारा साफा, फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया इस मौके पर सतबीर चंदीला,सुनीता बैंसला ने सभा में उपस्थित समाज के लोगो संबोधित किया और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

करौली । जिला मुख्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में सोमवार को इमर्जिंग टैलेंट अवॉर्ड 2025 का आयोजन किया गया। समारोह में करौली शहर सहित जिले भर से कक्षा 10वीं व 12वीं के 125 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूपीएससी में हाल ही में चयनित प्रशांत मीणा रहे। उनके कर कमलों से जिले भर की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

भरतपुर में समाजवादी नेता पंडित रामकिशन सहित किसान नेताओं का नागरिक अभिनंदन

भरतपुर (निस)। शतायू समाजवादी विचारक और भरतपुर के पूर्व सांसद तथा भरतपुर धौलपुर के पूर्व जिला प्रमुख पंडित रामकिशन और भरतपुर के किसान नेता इन्दल सिंह और मोहन सिंह गुर्जर का जिले के निकटवर्ती ठाम खिड़ौरा में नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद गणमान्य नागरिकों ने साफा और मालाऐं पहनाकर स्वागत किया। पंडित रामकिशन के जीवन का यह सौ वाँ वर्ष चल रहा है

कार्यक्रम में पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ने गत दिन रविवार को कहा कि धौलपुर से मेरा बहुत पुराना रिश्ता है श् मुझे जिला प्रमुख बनाने में उस समय धौलपुर के लोगों ने बड़ा योगदान रहा था । उन्होंने कहा कि पुराने समय में बसेड़ी क्षेत्र में सोसलिस्ट्र पार्टी बहुत ज्यादा मजबूत थी । उन्होंन लोगों से संघर्ष का आ ान किया ।

सम्मान समारोह में भरतपुर के पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ने कहा कि आजादी मिलने के बाद देश भर में अधिकांशतय गरीब परिवारों के लोग सरपंच से लेकर लोकसभा तक के चुनावों में करीब तीन दशक तक जीत कर आते रहे थे लेकिन आज भ्रष्ट्राचार के कारण चुनाव इतने मंहगे हो गये है कि अधिकांश लोग तो अब चुनाब लड़ ही नहीं सकते ।

पूर्व सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री भ्रष्ट्राचारियों को भाजपा में शामिल करके भ्रष्ट्राचार को बढ़ाबा दे रहे है । भ्रष्ट्राचार के मामले में गत वर्ष दुनिया के 180 देशो की गणना में भारत का स्थान 163 वे नम्बर पर था जो इस वर्ष बढ़ कर 166 वे स्थान पर पहुँच गया है यानी हमारा देश भ्रष्ट्राचार में लगातार प्रगती कर रहा है ।

सभा में किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने कहा कि अन्य जिलों के मुकावले यहाँ विकास के हर मापदण्ड में लगातार पिछड़ता जा रहा है , यहाँ खेत को सिंचाई का पानी नहीं और नौजवान बेरोजगार घूम रहे है । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और टीटीजेड को समाप्त करने की जरूर बताते हुऐ कहा कि एनसीआर से लाभ नहीं है उल्टे जनता को तरह तरह के टैक्सों का नुकसान भुगतना पड़ रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान लाखन सिंह खिडौरा ने कि लाखन सिंह खिड़ौरा ने पूर्व सांसद पंडित रामकिशन को ईमानदार और सिंदात की राजनीति का प्रतीक बताया उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया

कार्यक्रम में भगवान सिंह शर्मा ओम प्रकाश चौधरी पौप सिंह पुरा रामगोपाल परमार तिमासिया राम किशोर खई लपुरा बजरंग सिंह कुशवाह सोगौरी सरपंच ध्रवेन्द्र सिंह खिडौरा देवेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार प्रकट किये ।

बयाना में निकली भव्य परशुराम शोभायात्रा

बयाना भरतपुर (निस)। ,भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर बयाना में एकता, श्रद्धा और सांस्कृतिक गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला। ब्राह्मण समाज समिति बयाना के तत्वावधान में एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसने पूरे नगर को भक्तिभाव और उत्साह से सराबोर कर दिया। शोभायात्रा का शुभारंभ शाम 5 बजे परशुराम धर्मशाला से हुआ, जहां समिति अध्यक्ष राजाराम उपाध्याय ने ध्वज फहराकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा मार्ग में बजरिया, सुभाष चौक, सूपा मार्केट, गुरुद्वारा रोड, पुरानी सब्जी मंडी चौराहा, महादेव गली चौराहा, जवाहर चौक, गांधी चौक, पंचायत समिति, आदर्श नगर जैसे प्रमुख स्थानों को पार करते हुए पुनः धर्मशाला पर इसका समापन हुआ।

सार-समाचार

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली

करौला(निंसं.) राजस्थान सरकार के निर्देशन में आयोजित हो रहे वन्दे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रमों के अंतर्गत जिला कलेक्टर करौली की अध्यक्षता एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में शिक्षा विभाग द्वारा प्रभात फेरी के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्रभात फेरी का प्रारंभ सर्किट हाउस करौली से एडिशनल एसपी गुमना राम एवं उपजिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा मानसिंह मीणा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। उक्त प्रभात फेरी में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के छात्र छात्राओं की टोली,राजकीय एवं निजी विद्यालयों के अनेक विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर आरपी हरकेश मीणा,सीईओ राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड अनिल कुमार गुप्ता,महात्मा गांधी स्कूल करौली के प्रधानाचार्य मिथलेश शर्मा के साथ अन्य विभागों के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों तथा आम जन द्वारा हाथों में जागरूकता संदेश की तख्तियां एवं जल संरक्षण के नारों की उद्घोषणा के साथ पैदल मार्च किया एवं आम जन मानस को जल संरक्षण जागरूकता संदेश देते हुए जिला कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचे जहां स्काउट सीईओ अनिल कुमार गुप्ता एवं व्याख्याता अमित कुमार शर्मा द्वारा जल संरक्षण के संदर्भ में उद्बोधन दिया साथ ही वंदे गंगा कार्यक्रम अंतर्गत प्लास्टिक उपयोग निषेध एवं अधिक अधिक पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया । इस अवसर पर मांटेसरी स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जल संरक्षण का संदेश दिया ।कार्यक्रम की अगली कड़ी में जिला सूचना सभागार परिसर में विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता,भाषण प्रतियोगिता,पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता,मॉडल प्रतियोगिता,कविता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनुष्का गौड़,द्वितीय स्थान पूजा शर्मा ,तृतीय स्थान अल्फीजा रंगरेज पेंटिंग प्रतियोगिता में मानसी जांगिड़ ने प्रथम,श्रेया व्यास ने द्वितीय स्थान,सानिध्या शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनुष्का मीणा , द्वितीय स्थान तनिष्का अठावाल,तृतीय स्थान छात्रा पूजा शर्मा ने प्राप्त किया,मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुहाना जादौन , द्वितीय स्थान अनुष्का तृतीय स्थान प्रतीक जादौन प्राप्त किया कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सानिध्या शर्मा ,द्वितीय स्थान सिद्धि जादौन तृतीय स्थान सैयद उम्मेद सुलेम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया स इस अवसर पर स्काउट सचिव मुकेश सारस्वत ,निजी विद्यालय संचालक बालकृष्ण गोयल,मुन्ना लाल मीणा ,व्याख्याता कमलेश शर्मा, निर्मल शर्मा, शशिकांत शर्मा ,देवेंद्र ओझा ,शिवानी गोयल,अनीता शर्मा, पूजा शर्मा ,वैष्णवी महावार,दीनदयाल सिंह,सानिध्य शर्मा उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान

भरतपुर (निस)। जयपुर में खण्डेलवाल वैश्य एज्युकेशनल ट्रस्ट की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में भरतपुर निवासी आयुष खण्डेलवाल का सम्मान किया गया। उन्हें यह सम्मान राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कला वर्ग में 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर मिला। आयुष ने अपने वर्ग में खण्डेलवाल समाज में प्रदेश स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है। पूर्व डीआईजी राजकुमार गुप्ता, वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन सुरेश गुप्ता व प्रमुख समाजसेवी आत्माराम गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में जयपुर के वैशाली नगर स्थित केवीजीआईटी स्थित आरबी डंगायच ऑडिटोरियम में हुए राज्य स्तरीय प्रतिभा समारोह में सम्मान स्वरूप आयुष को 11 हजार रुपए का चेक, शील्ड व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयुष खण्डेलवाल भरतपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार राजेश खण्डेलवाल और समाजसेवी शिक्षिका सोनू खण्डेलवाल का छोटा पुत्र है। इससे पहले जयपुर में ही आयुष को अखिल भारतीय खण्डेलवाल विचार मंच की ओर से एक हजार रुपए, शील्ड, प्रमाण पत्र के साथ विभिन्न उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया था।

ओमप्रकाश सिंघल के जिलाध्यक्ष बनने पर स्वागत

भरतपुर (निस)। विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सॉफ्ट हॉकी फेडरेसन के जिलाध्यक्ष बनने पर ओमप्रकाश सिंघल एवं सचिव बनने पर सौरभ शर्मा का माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। होम्योपैथी चिकित्सक वेलफेयर के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कुंतल, शकुन्तला हॉस्पीटल हलैना के डॉ. योगेश आचार्य, आर्य समाज से सत्यवीर सिंह, क्रीडा भारती से योग प्रमुख बलवीर एवं वेद प्रकाश कुंतल इत्यादि ने फेंटा, दुपट्टा एवंम माला पहनाकर मंत्रोच्चार के साथ ओमप्रकाश सिंघल और सौरभ शर्मा का अभिनन्दन किया एवं भरतपुर में हॉकी के खिलाडियों के बीच एक नई ऊर्जा का संचार करने का आव्हान किया। ओमप्रकाश सिंघल ने कहा कि आज की पीढी को पढाई के साथ-साथ खेलकूदों में भी भाग लेना जरूरी है, जाकर सभी स्कूलों में से खिलाडियों को जोडा जायेगा। सचिव सौरभ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम

भरतपुर (निस)। घर की छत पर बागवानी करना एक ऐसी विधा है जिससे खाली छत का सार्थक उपयोग होता है, परिवार के लिए रसायनमुक्त फल व सब्जी मिलती है, घर का सौंदर्य बढत्ता है तथा पर्यावरण के अनुकूल है। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि घर की छत पर बागवानी को रुफ टोप गार्डनिंग अथवा टेरेस गार्डनिंग भी कहते हैं। हमारे देश में यह कम प्रचलित है, लेकिन जनसंख्या के बढ़ते दबाव और पर्यावरणीय आवश्यकताओं को देखते हुए टेरेस गार्डनिंग के प्रति लोगो को जागरुक करना आवश्यक है। जो व्यक्ति नई इमारत बनाने की योजना बना रहें हैं,। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि हाल में उद्यानिकी महाविद्यालय दुर्गापूरा जयपुर द्वारा टेरेस गार्डनिंग का एक मॉडल तैयार किया गया है। इस गार्डनिंग में फल, सब्जी, अलंकृत व औषधीय पौधों को सीधे छत्त अथवा गमलों में उगाया जा सकता है।

जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन

डीग भरतपुर (निस)। जिला कलक्टर उत्सव कौशल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन सोमवार को पंचायत समिति के वीसी कक्ष में किया गया।

बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकरण, विकास कार्यों, वन्द गंगा जल स्वावलम्बन अभियान, एनएफएसए में नाम जोडने की प्रगति, योग दिवस, पंडित दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े, माइनिंग, सड़क सुरक्षा के बारे में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने कहा कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कर सभी कार्यों को विहित समय में किया जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पोर्टल पर डाटा को नियमानुसार अद्यतन करें। सम्पर्क पोर्टल के सभी प्रकरणों को नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित किया जाए। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, जल शक्ति अभियान, हरियालो राजस्थान सहित सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं की बिंदुवार चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारी को फ्लैगशिप योजनाओं पर विशेष रूप से फोकस करते हुए योजनाओं से सभी पात्रों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन तक योजनाओं के पर्याप्त प्रचार प्रसार हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कार्ययोजना के अनुसार कार्यक्रमों को जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाए और जनप्रतिनिधियों की भी अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिले की रैंकिंग बेहतर बनाने के लिए भी प्रयास किए जाए। उन्होंने अठाणी जिला प्रबंधक को निर्देशित किया कि वे जल संचयन प्रणाली निर्माण, वृक्षारोपण, वाटर स्टेबलाइजेशन पौंड आदि जल संरक्षण के कार्यों को करने के लिए भामाशाहों को प्रेरित करें। जिला रसद अधिकारी को भी तेल कंपनी जैसे संस्थाओं को योजना के अंतर्गत कार्यों को करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि एनएफएसए में नाम जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से लिया जाए और कोई भी पात्र वंचित न रहे। उन्होंने योग दिवस चर्चा करते हुए कहा कि अधिकाधिक लोगों को योग के लिए प्रेरित किया जाए।

भरतपुर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान की अनुपालना में आयोजित वृद्ध जन दुर्व्यवहार दिवस पर सेठ हजारीलाल महंगाया सेवा संस्थान, आनंद धाम वृद्धाश्रम, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 04 नीरू सोनी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की। शिविर में असिस्टेंट लीगल डिफेंस काउंसिल मृगराज मनहर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विधिक जागरूकता शिविर में दीपिका फौजदार एवं ईशपाल सिंह, प्रशिक्षु न्याय अधिकारी उपस्थित रहे

- शिविर में असिस्टेंट लीगल डिफेंस काउंसिल मृगराज मनहर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को

वह कहा कि वृद्धजन ही हमारे घर परिवार व समाज की पहचान है व उनके बताये मार्ग पर हमें चलना चाहिये व आश्रम की बेहतर व्यवस्था मिली, जिस सेवाभाव से यह आश्रम संचालित किया जा रहा है वह अद्वितीय है व वृद्धाश्रम में असहाय, कमजोर व आश्रयहीन वृद्धों को निशुल्क रहने, खाने, कपडा व चिकित्सा व्यवस्था है व सभी अतिथियों का रविन्द्र कुमार गोयल, नवनीत गोयल ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

अग्रावाल शिक्षा समिति की प्रबंध कार्यकारिणी निर्विरोध बनी

भरतपुर (निस)। अठावाल शिक्षा समिति रणजीत नगर भरतपुर तीन वर्षीय प्रबन्ध कमेटी का चुनाव निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र शर्मा की देखरेख में हुआ, निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री, सहमंत्री, कोषाध्यक्ष एवं अंकेक्षक पद के चुनाव हुए। साथ प्रबन्ध कमेटी के सदस्य भी चुने गए।

- के.के. अठावाल अध्यक्ष, राकेश बंसल महामंत्री, दाऊदयाल सिंघल संयुक्त मंत्री निर्वाचित

निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र शर्मा के अनुसार अध्यक्ष पद पर उद्योगपति कृष्ण कुमार अठावाल,महामंत्री उद्योगपति राकेष बंसल,उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार बन्टी एवं विनय गर्ग सीए,संयुक्त मंत्री खादी वाले दाऊदयाल सिंघल,सहमंत्री गौरीशंकर गर्ग,कोषाध्यक्ष उद्योगपति राधेश्याम गोयल तथा अंकेक्षक के.के.अठावाल निर्विरोध निर्वाचित चुने गए और प्रबन्ध कमेटी में उद्योगपति राहुल बंसल,दीनदयाल सिंघल,जविविनि के रिटायर्ड अधीक्षण अभियन्ता हेमराज गोयल, ठेकेदार गिरीश सिंघल, आशीष अग्रवाल, प्रदीप बंसल, नरेन्द्र मोहन सिंघल, स्वराज मित्तल, लूनाराज आदि सदस्य चुने गए। नवनिर्वाचित कमेटी के पदाधिकारी और सदस्यों को उद्योगपति यश अठावाल,गौरव बंसल,उद्योगपति नृपेश गुप्ता चौयरमेन, विष्णु मित्तल आदि ने बधाईयां दी।

सीए स्टूडेंट नेशनल टैलेंट सर्च 2025 का सफल आयोजन

भरतपुर (निस)। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की भरतपुर शाखा में दो दिवसीय सीए स्टूडेंट नेशनल टैलेंट सर्च 2025 का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और क्विज, वाद-विवाद एवं वाद-विवेचन प्रतियोगिताओं में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। क्विज प्रतियोगिता में निखिल सिंघल एवं कुशाठा गर्ग, वाद-विवाद प्रतियोगिता में दक्ष मित्तल एवं ऋतिक अरोड़ा तथा वाद-विवेचन में श्रेया अठावाल विजेता रहे। सभी विजेता अब क्षेत्रीय स्तर पर भरतपुर ब्रांच का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिताओं का संचालन एवं मूल्यांकन सीए एन.एम. सिंघल, सीए पराग गुप्ता, सीए तुषार गर्ग, सीए शोभित गोयल, सीए अंकुर जैन व सीए कुनिका अठावाल के मार्गदर्शन में हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान भरतपुर ब्रांच की प्रबंध समिति के सभी सदस्य दृ सीए अंकुर खंडेलवाल (चेयरमैन), सीए मुनीश गुप्ता (कोषाध्यक्ष), सीए संकल्प पितलिया (उपाध्यक्ष), सीए शोभित गोयल (सचिव), सीए तुषार गर्ग (सिकासा चेयरमैन) एवं सीए पराग गुप्ता (कार्यकारिणी सदस्य) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के उत्साहवर्धन के साथ हुआ।

- कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के उत्साहवर्धन के साथ हुआ।

कार्यकारिणी घोषित

भरतपुर (निस)। सारस्वत सेवा समिति भरतपुर के चुनाव राकेश कुमार सारस्वत (सेवानिवृत सहायक अभियन्ता) की अध्यक्षता एवं राजेन्द्र सारस्वत (पूर्व पार्षद) की देखरेख में सम्पन्न हुए। सर्व सम्मति से हरिओम सारस्वत को अध्यक्ष, नरसिंह सारस्वत को उपाध्यक्ष, डा0 गिरीश कुमार सारस्वत को मंत्री, गिरीश कुमार 'अचरू' को कोषाध्यक्ष तथा मनेन्द्र सारस्वत को प्रवक्ता नियुक्त किया गया।

प्रबन्ध कार्यकारिणी के 21 पद के चुनाव सम्पन्न

हलैना भरतपुर (निस)। पूर्वी राजस्थान की महिला शिक्षा जगत में सबसे बडी शिक्षण संस्थान चलाने वाली श्री आर्य विद्यापीठ सोसायटी की प्रबन्ध कार्यकारिणी के 21 पद का चुनाव सम्पन्न हो गया, जिन पदो के लिए 25 उम्मीदवारों ने चुनाव लडा और कुल 177 मतदाताओं में से 115 मतदाताओं ने मत का उपयोग किया। चुनाव परिणाम में 21 सदस्य निर्वाचित हुए और चार जनों को हार का सामना करना पडा। अब प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष,मंत्री,कोषाध्याक्ष,उप मंत्री आदि पदो के चुनाव होंगे,जिन पदों को लेकर गुटबाजी झलक आई और नवनिर्वाचित सदस्य दो गुटों में बंट गए,पहला गुट भरतपुर तथा दूसरा गुट भुसावर बन गया है। अब देखना ये है कि गेंद किस पाले में जाऐगी। प्रबन्ध समिति सदस्य पदों का चुनाव परिणाम घोषित कर दिया गया,जिसमें उद्योग घराने की कई हस्तियां विजयी रही,वही शिक्षा विभाग के रिटायर्ड उप निदेशक ओमप्रकाश गुप्ता को हार का सामना करना पडा। निर्वाचन अधिकारी राजेश मित्तल के अनुसार श्री आर्य विद्यापीठ सोसायटी प्रबन्ध समिति के 21 सदस्य पदों पर उद्योगपति रामकुमार गुप्ता, सुशान्त सिंघल,अजय कुमार अठावाल,अनिल गोयल एडवोकेट, अशोक मित्तल,नगर पालिका भुसावर के पूर्व चौयरमेन चन्द्रप्रकाश अवस्थी,मनोज मित्तल एईएन,दीनदयाल सिंघल, नवीन चन्द्र खन्ना ,नवीन कुमार मित्तल , पंकज बंसल , प्रदीप कुमार मित्तल , मनोज अठावाल ,मयंक सिंघल , योगेन्द्र कुमार मित्तल , रमेश चन्द्र गुप्ता , रामकुमार गुप्ता , डॉ लोकेश जिन्दल , विनय कुमार अठावाल , सत्येन्द्र कुमार गुप्ता , सुशान्त सिंघल , सुधीर गुप्ता , सुभाष चन्द्र गुप्ता विजयी रहे। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब प्रबन्ध कमेटी के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष,मंत्री,उप मंत्री,कोषाध्यक्ष आदि पदो के चुनाव होंगे,जिस चुनाव की तिथि जल्द ही घोषित की जाऐगी। सोसायटी की प्रबन्ध कमेटी के नव निर्वाचित सदस्यों को हरि ऑयल समूह के संस्थापक सेठ स्व.हरिचरणलाल अठावाल के पौत्र उद्योगपति यश अठावाल, उद्योगपति ओमप्रकाश गुप्ता अचार वाले,सेठ स्व.रघुनाथ प्रसाद मित्तल के पुत्र हरीश चन्द मित्तल,विष्णु मित्तल पत्रकार, राजेश पचौरी, मैनापुरा के पूर्व सरपंच सतीश पांडेय, रमाकान्त लाटा,नगर पालिका भुसावर की पूर्व चौयरमेन पुष्पा अवस्थी आदि ने बधाईयां दी।

ट्रांसफार्मर जलने से पांच गांवों की बिजली काटी

भुसावर भरतपुर (निस)। दीवली ठाम पंचायत स्थित गांव नगला नाथू मे जयपुर विद्युत वितरण निगम के 33/11 सब स्टेशन पर लगा 3.15 केवीए का ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण दीवली पंचायत सहित पांच गाँवो की बिजली आपूर्ति व्यवस्था ध्वस्त हो गई। इस कारण जहां भीषण गर्मी मे परेशानी के साथ पेयजल की समस्या हो रही है।

गांव नगला नाथू निवासी व पूर्व डेयरी चेयरमैन फतेह सिंह फेंटा, रणधीर फौजदार, रामअवतार सिंह व राजेंद्र सिंह फेंटा ने बताया कि बीती रात अचानक तेज आवाज के साथ नगला नाथू सब स्टेशन पर लगे 3.15 केवीए ट्रांसफार्मर मे आग लग गई, जिससे उसी समय बिजली व्यवस्था ठप हो गई। बिजली व्यवस्था ठप होने से गांव नगला नाथू सहित ठाम पंचायत मुख्यालय दीवली, भगवानपुर, बौराज व गांव फ़ौजीपूरा मे जहां भीषण गर्मी से उपभोक्ताओं का बेहाल है वही पांचो गाँवो मे बिजली बाधित होने पर पेयजल समस्या गहरा गई है। इसकी सूचना ठामीणों ने निगम के कर्मचारी अधिकारियो को दे दी है।

- गांव नगला नाथू निवासी व पूर्व डेयरी चेयरमैन फतेह सिंह फेंटा, रणधीर फौजदार, रामअवतार सिंह व राजेंद्र सिंह फेंटा ने बताया कि बीती रात अचानक ट्रॉसफार्मर जल गया

कार्यालय पंचायत समिति सपोटरा जिला करौली

क्रमांक-पसस/स्व.भा.मि./ई-निविदा/2025-26/973-76 दिनांक: 10.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या SBM 01/2025-2026

पंचायत समिति सपोटरा के अधीनस्थ समस्त ग्राम पंचायतो में दिनांक 31.03.2026 तक वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एक व्यावसायकि प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eprc.rajasthan.gov.in एवं https://.sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती है।

विकास अधिकारी
पंचायत समिति सपोटरा

जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव मौजूदगी में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां

भरतपुर (निस) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिलेभर में मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत स्तर तक सामूहिक योगाभ्यास होगा। एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य थीम पर 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। आमजन इसमें भाग ले सकेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की सोमवार को आयोजित बैठक में जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने वर्चुअल माध्यम से जुडकर सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंचायत, उपखण्ड एवं जिला स्तर पर हमारी संस्कृति, धरोहर, धार्मिक एवं पर्यटन क्षेत्र की दृष्टि से चिन्हित कर भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तैयार करें। अपने क्षेत्र में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों से समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक लोगों की योग दिवस पर सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने योग स्थलों पर मंच, पेयजल, बैठक, साउण्ड, चलित सुलभ शौचालय, सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला एवं बाल विकास विभाग को सामूहिक योगाभ्यास में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जावे। उन्होंने आयोग द्वारा निर्धारित योग संगम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन में प्रगति लाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने योग दिवस से पूर्व एवं योग दिवस को आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों का प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक एवं सोशल मीडिया माध्यम से प्रचार-प्रसार कर जागरूक किया जाये। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के लिए प्रशिक्षक नियुक्त किए जाए। प्रशिक्षकों का अनुसरण करवाते हुए योग क्रियाएं संपन्न कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सा विभाग द्वारा जिले के चिकित्सा संस्थानों में योगाभ्यास के सभी समुचित प्रबंध किए जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग के अधिकारी योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में अधिकाधिक छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि योग स्थल पर सुरक्षा व पार्किंग व्यवस्था के माकूल प्रबंध रहें। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार ही योग दिवस के कार्यक्रम सम्पन्न करवाए जाए। इसमें समय का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान जिला कलक्टर ने आयुर्वेद विभाग द्वारा जारी योग अभ्यासक्रम पोस्टर का विमोचन भी किया। दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाडा जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देश पर आगामी 24 जून से 9 जुलाई तक दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाडा संचालित किया जायेगा। जिसके तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से व्यापक गतिविधियां संचालित कर जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभान्वित किया जायेगा।

कार्यालय उप जिला चिकित्सालय सपोटरा जिला करौली

क्रमांक: उजिचिस/खुली/लेखा/2025-26/268 दिनांक: 16.06.2025

खुली बोली सूचना संख्या 01/2025-26

उपजिला चिकित्सालय सपोटरा के लिए विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत LAPROSCOPIC INSTRUMENT FOR STERLIZTION AND OTHER INSTRUENT क्रय सामग्री की आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु 31 मार्च 2026 तक के लिए सामग्री/उपकरण व्यवस्था के लिए पंजीकृत इच्छुक फर्मों से दर अनुबन्ध हेतु खुली निविदा प्रक्रिया द्वारा बोलियाँ निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है।

क्र.स.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	निविदा विक्रय की दिनांक	निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	निविदा का स्थान
1	LAPROSCOPIC INSTRUMENT FOR STERLIZTION AND OTHER INSTRUENT क्रय सामग्री की आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु	10.00 लाख	200 रू.	20000 रू.	16.06.2025 से 23.06.2025 प्रात: 11 बजे तक	23.06.2025 दोपहर 1.00 बजे तक	23.06.2025 सायं 02.00 बजे तक	उप जिला चिकित्सालय सपोटरा

निविदा प्रपत्र एवं शर्तों से संबंधित विस्तृत सूचना www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
NIB- MHS2526A1196, BID- MHS2526GS0B01909

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
उप जिला चिकित्सालय सपोटरा

पुष्कर सरोवर में फिडरों के पानी के साथ गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ पहुंचा

पुरोहितों का आरोप है कि फीडरों के किनारे बने होटल और रिसोर्ट के अपशिष्ट पदार्थ आ रहे हैं

पुष्कर, (निसं)। करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र तथा हिंदुओं का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल पवित्र पुष्कर सरोवर प्रशासन और राज्य सरकार की उदासीनता के चलते अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। पवित्र सरोवर में जहां प्रतिदिन हजारों लोग आस्था की डुबकी लगाते हैं तो वहीं प्रशासन और राज्य सरकार की लापरवाही के चलते अब यह पानी दूषित होता जा रहा है, जिसके चलते प्रतिदिन हजारों मछलियां दम तोड़ रही है। वहीं पवित्र सरोवर की दुर्दशा को लेकर तीर्थ पुरोहितों में भी जबरदस्त आक्रोश उत्पन्न हो रखा है।

पुरोहितों ने सरोवर के पानी से स्वयं अपने हाथों से अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी निकाली।

- **फीडरों की साफ सफाई नहीं होने से सारी गंदगी पवित्र सरोवर में आ रही है, इससे प्रतिदिन हजारों मछलियां दम तोड़ रही है**

जानकारी के अनुसार गत दो दिन की बरसात में पुष्कर सरोवर में अच्छे पानी की आवक के लिए बनाए गए करोड़ों रुपए की लागत फीडरों से गंदे बरसात के पानी के साथ अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी पवित्र सरोवर में बहकर आ गई, जिसके चलते पवित्र सरोवर का पानी दूषित हो रहा है। तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि पवित्र सरोवर की तरफ ध्यान नहीं देने के कारण धीरे-धीरे अब पवित्र सरोवर की दुर्दशा होती जा रही है। फीडरों के आसपास बने होटल और रिसोर्ट का सारी गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ फीडरो में आ रही है तथा फीडरों की साफ सफाई नहीं करवाने के कारण सारी गंदगी बरसाती पानी के साथ पवित्र सरोवर में बहकर आ रही है। यही नहीं संतोषी माता की ढाणी और लीला सेवड़ी का सारा गंदा पानी भी खुलेआम फीडरों में आ रहा है, लेकिन इसकी प्रशासन और सरकार के द्वारा कोई रोकथाम नहीं की जा रही है। बरसात में पवित्र सरोवर की पानी की आवक अच्छी हो इसके लिए फीडर बनाए गए, लेकिन फीडरों के साफ सफाई तथा रख-रखाव नहीं होने के कारण अब यह फीडर गंदे पानी के नाले बन चुके हैं।

लोगों ने कई बार प्रशासन से मांग की है कि ऐसे रिसॉर्ट और होटलों के खिलाफ कार्रवाई की जाए जिनकी गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ फीडरों में डाला जा रहा है और ऐसे होटलों ओर रिसोर्ट को तुरंत प्रभाव से सीज किया जाए। तीर्थ पुरोहितों ने बताया कि बरसात के समय में बरसाती पानी के साथ सारी गंदगी पवित्र सरोवर में आ रही है जिसके चलते पानी दूषित हो रहा है। तो वहीं श्रदालुओं की आस्था पर भी आघात लगा रहा है। सोमवार को भी ब्रह्म घाट पर स्थित पुरोहितों ने पवित्र सरोवर के पानी में अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी तैरती देखी, जिसके चलते पुरोहितों में आक्रोश उत्पन्न हो गया और तुरंत प्रभाव से अपने हाथों से पवित्र सरोवर के जल से गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ निकाले। तीर्थ पुरोहितों ने राज्य सरकार प्रशासन से मांग की है कि पवित्र सरोवर सुध लेकर सरोवर की पवित्रता की रक्षा की जाए और सरोवर में आने वाले अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी की तुरंत प्रभाव से रोकथाम की जाए। इस दौरान मदन मस्त, बैजनाथ, दीपक पाराशर, भोला पाराशर, क्षेत्रपाल पाराशर, वैभव पाराशर सहित सैकड़ों तीर्थ पुरोहित मौजूद थे। वहीं गत दिनों मुख्यमंत्री की पुष्कर यात्रा के दौरान भी पुष्कर के तीर्थ पुरोहित पुष्कर सरोवर को बचाने की गुहार लगा चुके है, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा, समस्या जस की तस है।

आर.ए.एस. मुख्य परीक्षा आज व कल

अजमेर व जयपुर के 77 केंद्रों पर 21 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं मुख्य परीक्षा- 2024 की दो दिवसीय परीक्षा मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगी। परीक्षा में प्रदेशभर के 21 हजार 440 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

आयोग के सचिव ने बताया कि दो दिवसीय आरएएस मुख्य परीक्षा 17 मंगलवार व 18 बुधवार को अजमेर के 29 तथा जयपुर के 48 परीक्षा केंद्रों सहित कुल 77 केंद्रों पर दो पारियों में आयोजित होगी। प्रथम पारी सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

गौरतलब है कि इस भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रारंभिक परीक्षा में 3.75 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया था, जिनमें से 21 हजार 539 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। वहीं आयोग ने 1 हजार 680 अभ्यर्थियों को 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों का उत्तर नहीं देने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया, जबकि दो अभ्यर्थियों का परिणाम न्यायालय में याचिका के चलते रोक दिया गया है। मूल रूप से 733 पदों के लिए निकाली गई इस भर्ती के पदों की संख्या 17 फरवरी 2025 को बढ़ाकर 1 हजार 96 कर दी गई है। इसमें राज्य सेवा के 428 और अधीनस्थ सेवा के 668 पद सम्मिलित हैं। आयोग ने 14 जून को ही परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए थे। परीक्षा केंद्र की जानकारी भी एसएसओ पोर्टल के रिक्रूटमेंट सेक्शन में उपलब्ध है। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से 60 मिनट पहले प्रवेश दिया जाएगा। देर से पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। आवश्यक दस्तावेजों में अभ्यर्थी को मूल रंगीन आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ लाना है।

युवती ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सुखेर थाना क्षैत्र में युवती ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चित्रकूट नगर निवासी नेला पुत्री राजेश कुमार ठाकुर ने सोमवार सेवेरे अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। एएसआई हरीश सनाढ्य ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। नेहा नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। जिसमें फैल होने की वजह से मानसिक परेशान थी। इसी तनाव के चलते आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त जालोर

क्रमांकः अअ /वृत्त/जा/2025-26/475-491 दिनांकः 03/06/2025

निविदा सूचना संख्या : 05 वर्ष 2025-26

NIB No. PWD2526A0985

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जालोर शहर की रिंग रोड़ निर्माण हेतु डीपीआर के कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 110.00 लाख है, अतः उक्त कार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	09 जुन 2025 प्रातः 10.00 बजे से 30 जुन 2025, सायं 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB No. PWD2526A0985

क्र.सं.	यूबीएन नं.
1	PWD2526SLOB0222

(डी.आर.माधव)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त, जालोर
मोबाईल 9414325400

DIPR/C/7460/2025

प्राणघातक हमला करने वाला बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। वाघपुरा थाना पुलिस ने पीड़ित पर तलवार से प्राणघातक हमला करने वाले को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित ने 7 अप्रैल को प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी ललित पुत्र चुन्नीलाल निवासी मादड़ी मेरे पुत्र पर तलवार से प्राणघातक हमला कर फरार हो गया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक नेत्रपाल सिंह के सुपरविजन में वाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए आरोपी ललित को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी 001 गैंग का सक्रिय बदमाश होकर इसके खिलाफ छह अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है। वहीं जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी भरत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए दो वर्ष से फरार स्थाई वारंटी हाजा पुत्र रतना निवासी उगमणा कोटड़ा ऋषभदेव को गिरफ्तार किया।

दो सूने मकानों में चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास एवं सविना थाना क्षैत्र में सूने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। शहर के सक्रिय चोर गिरोह के बदमाश शहर में जारी तलाशी अभियान एवं पुलिस गश्त के बावजूद वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र आरएचबी कॉलोनी चुंगीनाका स्थित दुर्गेशपुत्र लीलाराम गर्ग के सूने मकान का चोर ताला तोड़कर सोने की 3 चेन, दो ईयरिंग, चांदी के सिक्के चुरा ले गए। दह जून को दुर्गेश नौकरी पर गया था एवं पत्नी अपने पीहर गई थी। नौकरी से लौटने पर घर पहुंचा तो ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो जेवरात व नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इसी तहर शहर के सविना थाना क्षैत्र लालमगरी निवासी भगवानलाल पुत्र मावा मेघवाल के सूने मकान का 15 जून को अज्ञात चोर ताला तोड़ सोने का मादलिया, चांदी की चेन, ब्रासलेट चांदी का तथा 10 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए।

होटल के कमरे में युवती की अधजली लाश मिली

- **आत्महत्या की आशंका जताई, हरियाणा की रहने वाली थी युवती**
- **पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां एक होटल के कमरे से युवती की अधजली लाश मिलने से सनसनी फैल गई। देर रात होटल की दूसरी मंजिल पर हुई इस घटना में युवती की मौत के कारणों की जांच में पुलिस जुटी है। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, मृतका शनिवार दोपहर को अकेली होटल में ठहरी थी। देर रात जब होटल का एक वेटर रूटीन चेक के लिए दूसरी मंजिल पर गया तो उसे एक कमरे से धुएं की गंध और आग जलने की बदबू आती महसूस हुई। कमरे के बाहर जाकर देखा तो धुआं निकलता दिखाई दिया, जिस पर उसने तत्काल अन्य स्टाफ को सूचित किया। होटल स्टाफ ने जब देखा कि कमरा अंदर से बंद है तो दरवाजा तोड़ना पड़ा। अंदर का दृश्य देख सभी के होश उड़ गए। बिस्तर पर युवती का बुरी तरह जला हुआ शव पड़ा था। घटना की सूचना तुरंत कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। युवती की पहचान और उसके आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कोतवाली थाना अधिकारी पृथ्वीपाल सिंह मय जाब्ता के मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल और एमओबी टीमों ने देर रात तक साक्ष्य जुटाए। घटनास्थल से बरामद आधार कार्ड से मृतका की पहचान सुमन (पति गुरतान सिंह) निवासी कैथल (हरियाणा) के रूप में हुई। होटल में भी इसी आधार कार्ड से उसकी एंट्री दर्ज थी पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है। पुलिस मृतका के परिजनों से संपर्क कर घटना की पृष्ठभूमि और मानसिक स्थिति की जानकारी जुटाने में जुटी है। परिजनों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस मृतका के मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच के साथ होटल स्टाफ से भी पूछताछ कर रही है ताकि युवती के होटल आने और इतना बड़ा कदम उठाने के कारणों का पता लगाया जा सके।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त टोंक

क्रमांक :680-90 दिनांक :-03.06.2025

निविदा सूचना संख्या-04/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से Consultancy Services for Preparation Detailed Project Report (DPR) and Project Management for Construction of Ring Road of Tonk City (Including fixing of alignment and design of 2-Lane road with paved shoulders and 2 nos interchanges with NH-52 and NH-552 and preparation of land acquisition plan इत्यादि कार्य (1 कार्य) हेतु इत्यादि कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में (Working Consultants) से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। पैकेजवाईज यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

NIB CODE: PWD2526A1007
UBN NO:- PWD2526SLOB03299

(एच.एल. मीना)
अधीक्षण अभियंता
सा.नि.वि. वृत टोंक

DIPR/C/7498/2025

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

H-1(10)Ps/Hath/E-Tender/2025/7494 Dated-3.6.2025

NOTICE INVITING BIDS

NIB NO. POL2526A0005

Bids for Capsi Spray (Chilli Spray), Capsi Grenade(Chilli Grenade) & Tactical Engagement Simulator System of estimated value INR 2,76,50,000/- are invited from interested bidders up to 26.06.2025 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in; https://sppp.rajasthan.gov.in of the state of Rajasthan and Rajasthan Police Website- https://www.police.rajasthan.gov.in.

UBN.
1. POL2526GLOB00040 Capsi Spray
2. POL2526GLOB00041 Capsi Grenade
3. POL2526GLOB00042 Tactical Simulator

(Yashpal Tripathi)
Supdt. of Police Central Stores, PHQ
Rajasthan, Jaipur
Tel-0141-2744289

DIPR/C/7570/2025 Mail ID-sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-चित्तौडगढ़

क्रमांक-टी.एस./2025-26/डी-569 दिनांक-30.05.2025

NOTICE INVITING BID-09/2025-26

Bids for Construction of Atal Pragati Path Satpura Road to Retuliya Chowk (Ghosunda) in Division Chittorgarh Procurement are invited from interested Bidders upto 6.00 PM of 16.06.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the Procurement Portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in.) of the state website. The approximate value of the Procurement in Rs. 15797033.00

UBN No.- 1. PWD2526WSOB03051

Executive Engineer
PWD Dn. Chittorgarh

DIPR/C/7397/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक, जयपुर

क्रमांक-एफ()स्टोर/उवस/2024-25/11454 दिनांक-16/06/25

ई-निविदा विज्ञिप्त

इस कार्यालय द्वारा रेंज फागी में अधीन एन. एच. - 52 जयपुर से देवली खंड चेयनेज संख्या 03 किलोमीटर से 27 किलोमीटर दूरी में तार फैसिंग एंव पोधे सप्लाई कार्य की ई-निविदा इस कार्यालय के राजकाज नम्बर 15674141 दिनांक 03.06.2025 एवं 15667796 दिनांक 03.06.2025 ई-विज्ञिप्त जारी की गई थी। ई-निविदा विज्ञिप्त अखबार में प्रकाशन नही होने के कारण दिनांक 18.06.2025 को निर्धारित है। उक्त निविदा को संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, And www. sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. (FOR2526WSOB00394) Date 03-06-2025
UBN NO. (FOR2526GLOB00393) Date 03-06-2025

DIPR/C/7898/2025 **उप वन संरक्षक, जयपुर**

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक : 409-417 दिनांकः 02-06-2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में अटल पथ, सड़क नवीनीकरण एवं भवन निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

1. PWD2526WSOB03351, 2. PWD2526WSOB03358
3. PWD2526WSOB03366, 4. PWD2526WSOB03368
5. PWD2526WSOB03370, 6. PWD2526WSOB03377

(के. के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/7512/2025

Office of Additional Chief Engineer PHED, Region Bharatpur

Telephone No 05644-221500, Email: rj_acebha@nic.in

Notice Inviting Bid No. 02-05/2025-26

Online bids for NIT No. 02-05/2025-26 (04 work), Costing Rs. 575.00 Lacs is invited on behalf of the Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Contractors enlisted with other departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/ Postal/ Telecom/ Railways/ MES/ other State Government/ Central Government undertakings/organization in class equivalent to "A/AA" class of Rajasthan (as applicable) and meeting prescribed eligibility criteria may also apply. Details of this Bid notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIB exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Bids are to be submitted online electronic format on web site http://eproc.rajasthan.gov.in from 04-06-2025 to 19-06-2025 (6PM) & Bids are to be opend at 11.00 AM on 20-06-2025.

NIB Code: PHE2526A1523
UBN No.- PHE2526WSOB03135
PHE2526WSRC03136
PHE2526WSRC03137
PHE2526WSRC03138

(Mohan Lal Meena)
Addl. Chief Engineer
PHED, Region Bharatpur

DIPR/C/7502/2025

करोड़ों रुपये का कपड़ा उधार मंगवाकर खुर्द-बुर्द किया, छह गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने कपड़ा व्यापारियों से पांच से छह करोड़ रुपये का उधार में कपड़ा मंगवाकर खुर्द-बुर्द करने के मामले में गुजरात के भावनगर के छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

भीलवाड़ा शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने गुजरात के भावनगर के छह लोगों को गिरफ्तार किया।

प्रताप नगर थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि इंडस्ट्रीयल स्टेट, पांसल चौराहा स्थित बालाजी रेयोंस पार्टनर मनीष कोठारी ने निर्मल हसेजा निवासी भावनगर गुजरात सहित अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसमें बताया गया कि आरोपियों ने परिवादी की कम्पनियों को विश्वास में लेकर करीब 5-6 करोड़ रूपये का कपड़ा मंगवा लिया, जिसे धोखाधड़ी कर खुर्द-बुर्द कर दिया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की। इसके बाद एएसआई चिराग अली के नेतृत्व में एक पुलिस टीम को भावनगर गुजरात भेजा गया।

टीम ने इस मामले में रसाला कैम्प, भावनगर निवासी खटयानी कमलेश (36) पुत्र उधमदास, बालचंदानी रमेश (55) पुत्र तोतलदास निवासी इन्द्रप्रस्थ फ्लेट दिवडी रूपाणी सर्किल,भावनगर, घमेजा अजय भाई (34) पुत्र रूपचंद भाई निवासी रसाला कैम्प भावनगर, रजाई तरूण (26) पुत्र सुरेश भाई कृष्णा बंसरी अपार्टमेंट न्यू सिंधुनगर भावनगर, ढेढी हिम्मत भाई (44) पुत्र शामजी भाई मीरा पार्क, सब्जी मार्केट घोघा रोड भावनगर व सरदारनगर, भावनगर निवासी जेसानी सुरेश (43) पुत्र गोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। टीम में एएसआई चिराग अली के साथ दीवान सुनील कुमार, कांस्टेबल रामनिवास, राफल सिंह, नरेंद्र, आशीष, पिंटू शामिल थे, जिन्होंने आरोपी को गिरफ्तार कर अनुसंधान शुरू किया है।

एमजीएस यूनिवर्सिटी में कुलपति और विधायक के बीच विवाद गहराया

घाटे का बजट जारी करने का आरोप, मामला राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी (एमजीएसयू) में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (बोम) की बैठक को लेकर कुलपति और श्रीडूंगरगढ़ विधायक के बीच विवाद गहरा गया है। विधायक ने कुलपति पर नियमों की अनदेखी कर बैठक आयोजित करने और घाटे का बजट जारी करने का आरोप लगाया है। मामला अब राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है।

यहां आयोजित बोम की बैठक में सदस्य के रूप में उपस्थित श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने बैठक की वैधता पर ही सवाल उठाए। उनका कहना है कि बोम में मनोनीत सदस्य का मनोनयन नहीं होने के कारण बैठक नहीं की जा सकती थी। विधायक की आपत्ति पर कुलपति मनोज दीक्षित ने शासन से स्वीकृति का हवाला दिया, लेकिन कोई आदेश प्रस्तुत नहीं किया। विवाद का मुख्य मुद्दा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट है, जिसमें 15,591 लाख रुपए की आय के मुकाबले 17,936 लाख रुपए का खर्च दिखाया गया है। करीब दो हजार करोड़ रुपए के इस बजट पर विधायक ने आपत्ति जताई थी। उनका आरोप है कि कुलपति ने बैठक में बजट स्वीकृत न करने की सहमति जताई थी, लेकिन बाद में इसे स्वीकृत कर दिया गया। विधायक सारस्वत ने राज्यपाल को पत्र लिखकर बजट को संशोधित करने और धन के दुरुपयोग को रोकने की मांग की है। उन्होंने कुलपति पर बिना अनुमति बैठक बुलाने और मना करने के बावजूद घाटे का बजट जारी करने का आरोप लगाया है।

कुलपति मनोज दीक्षित का कहना है कि बैठक नियमानुसार आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि विधायक ने बैठक के दौरान कोई लिखित आपत्ति दर्ज नहीं कराई। उन्होंने धन के दुरुपयोग के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि विधायक की शिकायत का जवाब सक्षम स्तर पर दिया जाएगा। इस विवाद ने विश्वविद्यालय प्रशासन और राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठ रहे हैं।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML 05)/2025/ई – 11399

ई—नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई—नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:—

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज	कुल प्लॉट
धौलपुर	सरमथुरा	कछपुरा	सेण्डस्टोन	5
झुंझुनू	खेतडी	नालपुर	मेसेनरी स्टोन	1
ब्यावर	बिजयनगर	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट, मेसेनरी स्टोन	7
बून्दी	बून्दी	गुवार	सैण्ड स्टोन	5
कोटा	लाडपुरा	मवासा	मेसेनरी स्टोन	1
		मांदलिया	मेसेनरी स्टोन	1
सिरोही	सिरोही	फलवदी	ग्रेनाईट	13
		वलदरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
चित्तौड़गढ़	भदेसर	भीमलोद	चाईना क्ले, क्वार्टजाइट एवं मेसेनरी स्टोन	1
		सोमावास	चायना क्ले, क्वार्टजाईट व मेसेनरी स्टोन	1
	गंगरार	अमरपुरा	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	17
भीलवाड़ा	बनेड़ा	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट	5
	हमीरगढ़	दलेलसिंहजी का खेड़ा	चायना क्ले, मेसेनरी स्टोन (क्वार्टजाईट)	1
	आसीन्द	ईन्द्रपुरा	ग्रेनाईट	10
		कटार	ग्रेनाईट	10
		दौलतगढ़	ग्रेनाईट	3
		सांकड का बाडिया	ग्रेनाईट	1
भीलवाडा	बिजौलिया	देवनगर	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
		देवनगर, सरकीकुडी	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
प्रतापगढ	छोटीसादडी	जीवनपुरा	मेसेनरी स्टोन	5
		जीवनपुरा	मेसेनरी स्टोन	8
प्रतापगढ़	धरियावाद	लोहागढ़	मारबल	1
डूंगरपुर	डूंगरपुर	दामड़ी	मेसेनरी स्टोन	3
		दामड़ी	मेसेनरी स्टोन	3
डीडवाना—कुचामन	डीडवाना	कोलिया	मेसेनरी स्टोन	10
उदयपुर	घांसा	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
	खेरवाडा	बंजारिया	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
		मिठीमहुडी	सोपस्टोन व मेसेनरी स्टोन	2
	मावली	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन	5
	नयागांव	महीडा	मेसेनरी स्टोन	1
		नयागांव	मेसेनरी स्टोन	2
		महीडा	मेसेनरी स्टोन	2
डूंगरपुर	सीमलवाडा	चाडोली	मेसेनरी स्टोन	6
			मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	3
			मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
		सीथल	मेसेनरी स्टोन	9
	डूंगरपुर	अंदरखेत	मेसेनरी स्टोन	1
	दोवडा	भचडीया	मेसेनरी स्टोन	6
			मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
डूंगरपुर	दोवडा	फलोज	मेसेनरी स्टोन	1
दौसा	सिकराय	कालवान	मेसेनरी स्टोन	1
जयपुर	रामपुरा डाबडी	खोरा श्यामदास	मेसेनरी स्टोन	1
जोधपुर	औसिया	पाबूनगर	मेसेनरी स्टोन	13
जैसलमेर	जैसलमेर	हडडा	लाइमस्टोन (डाइमेन्सनल)	15
नागौर	रियाबड़ी	पिपलिया	ग्रेनाईट	6
	डेगाना	हरसौर	मेसेनरी स्टोन	5
	लाडनूं	बाकलिया	मेसेनरी स्टोन	7
टोंक	मालपुरा	फूलमालियान	ग्रेनाईट	13
अजमेर	भिनाय	रामालिया	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	1
	सावर	सावर	मारबल	2
बाड़मेर	बायतु	करणीपुरा चक चारणीत (नौसर)	मेसेनरी स्टोन	1
राजसमंद	नाथद्वारा	मडका	ग्रेनाईट	1
			कुल प्लॉट	227

विशेष नोटः—

भू माफियों में जेडीए का डर खत्म, अवैध कॉलोनियों बसाने का काम फिर शुरु

सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर जनता के साथ खुली लूट कर रहे है

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन 11 और 12 में अवैध कालोनी बसाने वाले भू माफियों में जेडीए का डर खत्म हो गया है। वो बेखौफ अवैध कॉलोनियां बसा रहे हैं। जेडीए ने गत दिनों जिन अवैध जिन अवैध कॉलोनियों में कार्रवाई की वहां भू माफिया वापस सक्रिय हो गए हैं। वो अवैध स्कीमें बसा कर जनता से खिलवाड़ कर रहे हैं। ये लोग सोशल मीडिया पर खुले आम विज्ञापन देकर जनता के साथ खुली लूट कर रहे हैं।

उन्होंने फिर से अवैध खरीद-बेचान का काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही जेडीए ने जोन 11 की मुरली ग्रीन्स, वृंदावन सिटी, जगन्नाथ सिटी द्वितीय में तोड़फोड़ की कार्रवाई की थी। इन जोनों में कुछ कॉलोनियों को छोड़ दिया गया था। बाकी में दिखावटी कार्रवाई कर छोड़ दिया था। जयपुर विकास प्राधिकरण ने महिन्द्रा सेज और बगरू के आसपास अवैध कालोनियों में कार्रवाई की। आसपास की कुछ अवैध स्कीमों को छोड़ दिया। कपूरावाला, अजयराजपुरा, किशोरपुरा में कुछ स्कीमों को छोड दिया। इनमें द्वारका सिटी, जगन्नाथ सिटी प्रथम में कोई कार्रवाई नहीं की जबकि मुरली ग्रीन्स को आधी अधूरी कार्रवाई कर छोड़

- मुरली ग्रीन्स, वृंदावन सिटी, जगन्नाथ सिटी, वृंदावन सिटी, गिरिराज विहार के नाम से बस रही है स्कीमें

दिया।जेडीए की टीम ने पवालिया, कपूरावाला में अवैध तरीके से बसाई जा रही मुरली ग्रीन्स में सिर्फ ग्रेवल सड़क को कुछ जगह से खोद दिया जबकि इस अवैध कॉलोनी में चार दीवारी को नहीं छेड़ा गया। अवैध कॉलोनी बसाने वालों ने यहां खरीद बेचान वापस शुरु कर दिया। और भू माफिया भूखंडों की खरीद फरोख्त कर कॉलोनी में पुरानी तारीख में हाउसिंग सोसायटी के पट्टे देकर आम जनता से धोखाधड़ी की जा रही है। यहां वापस ग्रेवल सड़कें बन गई है। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते को कलवाडा, महिन्द्रा सेज के पास सिराणी में द्वारका सिटी दिखाई नहीं दी जबकि यहां भी खुले आम् अवैध तरीके से प्लाटों का खरीद बेचान किया जा रहा है।

डवलपर को जेडीए का कोई डर नहीं है। वह खुलेआम विज्ञापन कर हाउसिंग सोसायटी के पट्टों के जरिए खरीद बेचान कर रहा है। करीब 62 बीघा की इस स्कीम में प्लाट लेने के कई फायदे बताए जा रहे हैं। महिन्द्रा सेज में आने वाले अजयराजपुरा कलवाड़ा ग्राम में 160 फीट सड़क पर बेहताशा कॉलोनी काटी जा रही है। इसी जगह 62 बीघा में द्वारका सिटी के नाम से अवैध कालोनी बसाई जा रही है। इसमें ग्रेवल सड़क बना कर स्कीम बना दी है। अब दलालों के जरिए प्लाटों की सौदेबाजी की जा रही है। इस कॉलोनी के 160 फीट पर होने के सपने दिखा कर धड़ाधड़ प्लाट बेचे जा रहे है।

जोन 11 और 12 का कपूरावाला-पवालिया, अजयराजपुरा, किशोरपुरा, महिन्द्रा सेज, बगरु में दहमी कला, मणिपाल यूनिवर्सिटी के आसपास भू माफियों का पंसदीदा क्षेत्र बना हुआ है। इन इलाकों में अवैध रुप से बस रही कॉलोनियों में जमीनों के भाव दस से बारह हजार रुपए प्रति वर्गगज है यहां पर राधा विहार, गिरिराज विहार नाम से अवैध कॉलोनियां बसाने वाले डवलपर सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम यू ट्यूब के माध्यम से अपनी स्कीमों का बेचान कर रहे हैं।

संस्कृत दिवस पर पुरस्कारों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय संस्कृत-दिवस-समारोह में संस्कृत-क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संस्कृत विद्वानों का सम्मान किया जायेगा। आयुक्त, संस्कृत-शिक्षा, राजस्थान द्वारा सभी जिला कलक्टर, विश्वविद्यालय-कुलसचिवों, संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारियों, निदेशक, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा, एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के संस्था-प्रधानों के माध्यम से विद्वत्-प्रस्ताव आमन्त्रित किये गये हैं। आयुक्त, संस्कृत-शिक्षा प्रियंका जोधावत ने बताया कि प्रस्तावों के साथ विद्वानों का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण निर्धारित प्रपत्र में चाहा गया है। प्रस्ताव 15 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से डाक द्वारा/व्यक्तिगत रूप से एवं विभागीय ईमेल पर भेजे जा सकेंगे।

विधान सभा में हुए सामूहिक योग में विधायकों ने लिया भाग

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधान सभा में विश्व योग दिवस के लिए सामूहिक योग के लिए पूर्वाभ्यास किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर योग दिवस के लिए पूर्वाभ्यास कराये जाने के लिए राजस्थान विधानसभा ने देश में अग्रणी प्रयास किया। सोमवार को राजस्थान विधान सभा में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मंत्रीमण्डल के सदस्यगण, विधायकगण, विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सामूहिक योग किया।

देवनानी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि योग को जीवन का अंग बनाये। उन्होंने कहा कि योग को दिनचर्या में जोड़ने से मन, मस्तिष्क, और शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान रहता है। शरीर को स्वस्थ रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। देवनानी ने मन, बुद्धि और आत्मा के साथ योग के सहयोग से जीवन रचना को आगे बढाने का आवाहन किया।

- योग दिवस का पूर्वाभ्यास कराए जाने वाली राजस्थान विधान सभा देश में अग्रणी योग को बनायें जीवन का अंग : देवनानी

देवनानी ने कहा कि सूक्ष्म व्यायाम प्रतिदिन अवश्य करें। इससे मन एकाग्र होगा और शरीर को नई ऊर्जा मिलेगी। देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को दुनिया ने अपनाया है।

देवनानी ने कहा कि इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग भारत के लोगों द्वारा शुरू किया जाने वाला शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसे अब दुनियाभर में मनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम ही नहीं बल्कि यह स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना को खोजने का एक तरीका भी है।

देवनानी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एक ऐसा उत्सव है जो प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को महत्व देता है। इसका लक्ष्य योग को एक व्यापक आन्दोलन में बदलना है जो वैश्विक स्वास्थय और शान्ति को बढावा देता है।

अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन संजय पहाड़िया दिल्ली से गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपये का इनामी अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन -चोर संजय पहाड़िया को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपित जवाहर नगर में वर्ष 2022 में दर्ज नकबजनी की वारदात में फरार चल रहा था। आरोपित शातिर नकबजन है,जिसके खिलाफ उत्तर प्रदेश,दिल्ली,राजस्थान मे चोरी,नकबजन,आर्म्स एक्ट,गैंगस्टर एक्ट के तहत अब तक 71 मामले दर्ज है। आरोपित सूने मकानों की रैकी कर नकबजनी की वारदात करता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपये का इनामी अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन चोर संजय पहाड़िया निवासी आगरा उत्तर प्रदेश हाल दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित जवाहर नगर में वर्ष 2022 में दर्ज नकबजनी की वारदात में फरार चल रहा था। वहीं आरोपित शातिर नकबजन है जिसके खिलाफ उत्तर प्रदेश,दिल्ली,राजस्थान मे चोरी,नकबजन,आर्म्स एक्ट,गैंगस्टर एक्ट के तहत अब तक 71 मामले दर्ज है। आरोपित सूने मकानों की रैकी कर नकबजनी की वारदात करता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन चोर संजय पहाड़िया निवासी आगरा उत्तर प्रदेश हाल दिल्ली को गिरफ्तार किया।

ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या

जयपुर। राजधानी के मॉडल टाउन डी ब्लॉक के निवासी भीषण गर्मी के बीच बिजली की बार-बार ट्रिपिंग और वोल्टेज अप- डाउन से परेशान हैं। दिन में कई बार कई घंटे लो वोल्टेज सहित बिजली की आंख मिचौली की समस्या बनी रहती है। बिजली उपकरण जैसे ऐसी, कूलर, फ्रिज, और पंखे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। बार बार लो वोल्टेज के कारण कुछ उपभोक्ताओं के विधुत उपकरण ख़राब हो चुके है। मॉडल टाउन निवासी वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने बताया कि वोल्टेज अप- डाउन रहने व पावर फलैकचुएशन की शिकायत करने पर खानापूर्ति कर दी जाती है मगर समस्या दूर नहीं होती। यही नहीं थ्री फेस होने के बावजूद उपभोक्ता के सभी फेस में बिजली उपलब्ध नहीं होती जिसके कारण आधा घर अंधेरे में डूबा रहता है। यह समस्या पिछले एक माह से बनी हुई है। बताया जाता है ओवरलोड के कारण ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या लगातार रहती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि ओवरलोडिंग की जिम्मेदारी किसकी है।

81 लाख रुपए की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेजों से प्लाट बेचकर 81 लाख रुपए की ठगी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि फर्जी दस्तावेजों से प्लाट बेचकर एक महिला से 81 लाख रुपए की ठगी के मामले में श्रीमाधोपुर जिला सीकर निवासी किशनलाल यादव (48) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने

एक महिला को धर्म की बेटी बता कर 81 लाख रुपए की ठगी की है। आरोपित किशनलाल ने महिला को झांसा दिया कि रामेश्वरम धाम में सीकर रोड पर उसके नाम का प्लॉट है। उसने प्लॉट में अच्छा मुनाफा मिलने का लालच देकर पीड़िता को विश्वास में लिया और चौमूं उप पंजीयक कार्यालय में फर्जी दस्तावेज पेश कर रजिस्ट्री करा दी।

जब पीड़िता ने रजिस्ट्री के बाद जमीन पर कब्जा लेना चाहने पर पूरा मामला सामने आया। जहां पता चला कि न तो जमीन आरोपी के नाम थी और न ही दिया गया पट्टा असली था। जिस पर पर पुलिस ने आरोपी किशनलाल यादव गिरफ्तार किया गया।पुलिस जांच में पता चला कि किशनलाल यादव पहले भी कई लोगों के साथ इसी तरह की ठगी कर चुका है। उसके खिलाफ अन्य थानों में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं।

सड़को के लिए 1915 करोड़ रुपये की स्वीकृति

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया की केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान में केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के तहत कुल 1000.90 किलोमीटर लंबाई की 40 राज्य सड़क परियोजनाओं के लिए 1914.71 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। इसकी स्वीकृति आगामी एक दो दिवस में प्राप्त हो जाएगी।

इसके साथ ही प्रदेश में 104.49 किमी हाईवे परियोजनाओं के निर्माण के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लगभग 1394 करोड़ रुपये की लागत की नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का इन स्वीकृतियों के लिए आभार जताया है।

उन्होंने बताया की 1914.71 करोड़ लागत की इन परियोजनाओं में मुख्य रूप से विभिन्न राज्य सड़कों (31 प्रमुख जिला सड़कें, 8 राज्य राजमार्ग और 1 अन्य जिला सड़कें) के खंडों का मजबुतीकरण और चौड़ाईकरण शामिल है। इससे राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में बेहतर सड़क संपर्क और निर्बाध यात्रा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

- कुल 1000.90 किलोमीटर लंबाई की 40 राज्य सड़क परियोजनाओं के लिए 1914.71 करोड़ की स्वीकृति प्रदान का
- 4 लेन के नागौर बायपास निर्माण और नागौर नेत्रा खंड के चार लेनकरण कार्य के लिए 1394 करोड़ रु मंजूर

इसके साथ ही 1394 करोड़ की लागत से चार लेन के नागौर बाईपास (अमरपुरा से गोगेलाव) का निर्माण तथा नागौर नेत्रा सड़क के 4 लेन का कार्य की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

'योग दिवस से पूर्व भाजपा प्रदेशभर में आयोजित करेगी योग कार्यक्रम'

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित कार्यक्रमों पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। सांसद दामोदर अग्रवाल ने बताया कि देशभर में 21 जून को योग दिवस मनाया जाएगा। इससे पूर्व 19 और 20 जून को भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में योग कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश, संभाग, जिला, मंडल स्तर पर संगठनात्मक रूप से योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दौरान भाजपा के सभी 44 जिलों के 1137 मंडलों में लगभग 1500 से अधिक योग के कार्यक्रम होंगे। भाजपा योग दिवस से पूर्व प्रदेश के नगर पालिका, नगर परिषद एवं नगर निगमों में एक से अधिक कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दौरान कस्बा क्षेत्रों में महिलाओं के भी अलग से कार्यक्रम होंगे। कई स्थानों पर नवाचारों के साथ कार्यक्रम संपादित करने के प्रयास है। योग कार्यक्रम के साथ-साथ योग प्रशिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने योग दिवस को लेकर आयोजित कार्यक्रमों पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि योग दुनिया को भारत द्वारा दिए गए सबसे बड़े उपहारों में से एक है। योग शारीरिक व्यायाम से कहीं बढ़कर, जीवन जीने की एक शैली है, जो मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है। आज इसकी प्रासंगिकता खास तौर पर प्रबल है। उन्होंने कहा कि ''योगाभ्यास से एकात्मकता की भावना का सृजन होता है - मन, शरीर और बुद्धि की एकात्मकता, अपने परिवारों के साथ, जिस समाज में हम रहते हैं उसके साथ, साथी मनुष्यों के साथ, उन समस्त पक्षियों, पशुओं और वृक्षों, जिनके साथ हम अपने सुंदर ग्रह को साझा करते हैं, के साथ एकात्मकता, यही योग है।

भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु बनाता है।

'सरकार का क्रिटिकल मिनरल्स की खोज व खनन पर खास जोर'

जयपुर। राजस्थान में खनिजों की खोज के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स व मशीन लर्निंग तकनीक का भी सहयोग लिया जाएगा। प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत भीलवाड़ा और भरतपुर के साथ ही चित्तोड़गढ़ के कुछ स्थानों पर एआई के माध्यम से क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिज संभावित क्षेत्रों को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खनिज क्षेत्र में नवाचार के तहत एआई के उपयोग का निर्णय लिया गया है और इसके लिए राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट आरएसएमईटी द्वारा केन्द्र सरकार एवं नोटिफाइड प्राइवेट एक्सप्लोरेशन एजेंसी के साथ काम शुरु किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो कि प्रदेश के खान मंत्री भी है, प्रदेश को खनिज खोज व खनन क्षेत्र में देश का अव्वल प्रदेश बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज प्रमुख खनिजों की नीलामी में राजस्थान समूचे देश में शीर्ष पर आ गया है वहीं खनिज क्षेत्र से राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। अब राज्य के भूगर्भ में छिपे बेशकीमती खनिजों के खोज कार्य को गति देने पर जोर दिया जा रहा है।

डॉ. निर्मल जैन ने परिवहन मंत्री गडकरी से भेंट की

जयपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ. निर्मल जैन ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर डॉ. जैन ने राजस्थान राज्य में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, नवाचारों एवं जन-जागरूकता अभियानों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट माननीय मंत्री को प्रस्तुत की।

प्रस्तुत रिपोर्ट में सड़क सुरक्षा हेतु विभिन्न जिलों में चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित जागरूकता कार्यशालाएँ, हेलमेट और सीट बेल्ट उपयोग पर चल रहे अभियान, तथा सड़क संकेतों के सही प्रयोग को लेकर किए गए प्रयासों का उल्लेख किया गया। डॉ. जैन ने मंत्री महोदय को अवगत कराया कि राजस्थान में सड़क सुरक्षा को लेकर जनसहभागिता बढ़ रही है और स्वयंसेवी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों, ट्रैफिक पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु ठोस कार्य हो रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इन सफल पहलों को अन्य राज्यों में भी मॉडल के रूप में अपनाया जा सकता है। गडकरी ने डॉ. जैन के प्रयासों की सराहना की और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय में सतत योगदान के लिए शुभकामनाएँ दीं।

'जस शो-2025' का मुख्यमंत्री को आमंत्रण, पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर। जयपुर स्थित जेईसीसी में 4 से 6 जुलाई को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय बी टू बी जस शो में आमंत्रित करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल जी से सीएमआर में जस शो कमेटी के सदस्यों ने मुलाकात कर आमंत्रण दिया।मुख्यमंत्री भजनलाल जी ने 5 जुलाई को होने वाली अवार्ड नाईट में मुख्य अतिथि के नाते उपस्थित रहने की स्वीकृति प्रदान की है।ज्वैलर एसोसिएशन जयपुर के वाईस प्रेसिडेंट व जस शो के को-कन्वेनर राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि इस अवसर पर जस शो के पोस्टर का विमोचन किया गया और मुख्यमंत्री जी ने पूर्व के कार्यक्रम की सराहना करते हुये आगामी जस शो की बधाई दी।इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल जी का जस शो के कन्वेनर अशोक माहेश्वरी व एक्जीक्यूटिव मेम्बर विजय केडिया ने गुलस्ता भेंट किया, टीम के अन्य सदस्यों को-कन्वेनर नरेश अग्रोहा, कोषाध्यक्ष गोविंद प्रकाश अग्रवाल ,एक्जीक्यूटिव मेम्बर अनिल तांबी, महावीर कुमार डागा व जस कमेटी मेम्बर सुरेश डड्ढा ने पिछले कार्यक्रम के जस शो टीम का मोमेंटो भेंटकर अभिनंदन किया। देश में विशिष्ट पहचान वाले बी टू बी जस शो व्यवसायियों को अपनी व्यवसायिक जरूरतों को पूरा करने और नए अवसरों की खोज करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है,इस अवसर पर ज्वैलर एसोसिएशन जयपुर के वाईस प्रेसिडेंट व जस शो के को-कन्वेनर राजू मंगोड़ीवाला, जस शो के कन्वेनर अशोक माहेश्वरी,को-कन्वेनर नरेश अग्रोहा, कोषाध्यक्ष गोविंद प्रकाश अग्रवाल,एक्जीक्यूटिव मेम्बर विजय केडिया, एक्जीक्यूटिव मेम्बर अनिल तांबी,महावीर कुमार डागा व जस कमेटी मेम्बर सुरेश डड्ढा सहित जस शो के प्रबुद्ध व्यावसायी मौजूद रहे।

- सुविख्यात बी टू बी जस शो 4 से 6 जुलाई जेईसीसी जयपुर में होगा

तीन दिवसीय बी टू बी जस शो में आमंत्रित करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल जी से सीएमआर में जस शो कमेटी के सदस्यों ने मुलाकात कर आमंत्रण दिया।

विधानसभा अध्यक्ष जायेंगे फ्रांस और जर्मनी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी जायेंगे। दो देशों की यात्रा के लिए देवनानी मंगलवार को प्रात: जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा नई दिल्ली जायेंगे, जहां से वे दोपहर में पेरिस के लिए रवाना होंगे। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावधान में आयोजित इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी वहां दोनों देशों की संसदीय परम्पराओं का अध्ययन करेंगे।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी इस सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के दौरान फ्रांस और जर्मनी की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धितयों का अध्ययन करेंगे। देवनानी राजस्थान विधान सभा में किये गये नवाचारों के अनुभवों को भी इस अध्ययन यात्रा के दौरान फ्रांस और जर्मनी के सांसदों से साझा करेंगे। देवनानी का फ्रांस के अपर हाउस सीनेट और लोअर हाउस नेशनल असेम्बली तथा जर्मनी के अपर हाउस बुंडेसरात और लोअर हाउस के बुंडेसटाग अवलोकन करने का भी कार्यक्रम है। देवनानी राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 68वें सम्मेलन से पूर्व विभिन्न देशों की संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी के लिये यह अध्ययन यात्रा कर रहे है।

- दो देशों की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धितयों की अध्ययन यात्रा करेंगे, मंगलवार को होंगे रवाना

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह सात दिवसीय यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

देवनानी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के राष्ट्रीय संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श करेंगे। देवनानी इस अध्ययन यात्रा में डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं और सामाजिक समावेशन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि यह यात्रा भारत की लोकतांत्रिक परम्पराओं और राज्य विधान सभाओं की क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम होगा। उन्होंने कहा इससे निश्चित ही संसदीय कार्यों को और अधिक समृद्ध बनाने में मदद मिलेगा।

देवनानी दोनों देशों के संसद प्रमुख और वरिष्ठ सांसदों से मुलाकात करेंगे और संसदीय प्रक्रियाओं पर चर्चा करेंगे। श्री देवनानी का दोनों देशों में भारतीय मिशन के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय प्रवासियों, रामाकृष्ण वेदांतिक केन्द्र के पदाधिकारियों और विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों, भारतीय समुदाय के प्रमुख लोगों से मुलाकात और चर्चा करने का कार्यक्रम है। श्री देवनानी दोनों देशों में भारतीय दूतावासों के उच्च अधिकारियों के साथ भी बैठक करेंगे। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के साथ यात्रा में विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री भारत भूषण शर्मा भी जायेंगे। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी फ्रांस और जर्मनी की संसदीय परम्पराओं के अध्ययन के साथ ही वहां के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे।

कार्यक्रम में योग प्रतियोगिताएं बनीं युवाओं का आकर्षण

जयपुर। भारत सरकार के आयुष विभाग की ओर सेराष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान पुणे के तत्वावधान में 11 वें योग दिवस के उपलक्ष में विभिन्न स्थानों पर किए जा रहे सिग्नेचर योगा इवेंट्स में सीतापुरा स्थित स्वास्थ्य कल्याण इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेचुरोपैथी एवं योग साइंसेज में योग अनप्लग्ड कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का समापन 19 जून को होगा। कार्य्क्रम के मुख्य अतिथि एम्स जोधपुर के अध्यक्ष और स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन तथा राजस्थान अस्पताल के चेयरमेंन डॉक्टर एस एस अग्रवाल होंगे। इंस्टिट्यूट के प्राचार्य डॉक्टर एकलव्य बोहरा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि योग अनप्लग्ड कार्यक्रम में युवाओं को योग से जोड़ने के लिए इंटर कॉलेज कंपटीशन आयोजित किया जा रहे हैं। इनमें पांच ऑनलाइन एवं 7 ऑफलाइन कंपटीशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कंपटीशन में योगा रील कंपटीशन, योगा पोस्टर कंपटीशन, योगा निबंध लेखन प्रतियोगिता शामिल हैं। इसी प्रकार ऑफलाइन प्रतियोगिताओं में योगासन एडवांस पोस्चर, समूह योग, योग भाषण प्रतियोगिता इत्यादि आयोजित किया।

आनासागर झील के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है : जल संसाधन मंत्री

पेयजल को लेकर 2053 की कार्य योजना बना रही सरकार : सुरेश सिंह रावत

अजमेर, (कासं)। राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने सोमवार को ''वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'' के तहत अजमेर में चल रहे आनासागर झील की सफाई एवं खुदाई कार्य में स्वयं श्रमदान करते हुए आमजन को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रावत ने कहा कि गत तीन दिनों से चल रहे इस महाअभियान में अजमेर के समस्त नागरिकों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, आमजन एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई है। उन्होंने इस अभूतपूर्व जनसहयोग के लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने ''वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'' के तहत अजमेर की आनासागर झील में श्रमदान किया।

मंत्री रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 5 जून से 20 जून तक पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं विभिन्न जलाशयों पर पहुँचकर जल संरक्षण की महत्ता को रेखांकित कर रहे हैं। अजमेर में भी जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता से यह अभियान प्रभावी रूप से संपन्न हो रहा है। रावत ने जल स्रोतों के संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि बावड़ियों, तालाबों, झीलों एवं बांधों को अतिक्रमण मुक्त रखते हुए उनके संरक्षण हेतु जनजागरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आनासागर झील वर्षों से प्रदूषण एवं अतिक्रमण की मार झेल रही है, लेकिन वर्तमान सरकार इसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आनासागर झील के सफाई व खुदाई कार्य हेतु टेंडर प्रक्रिया चल रही है और आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व इसमें वृहद कार्य प्रारम्भ किया जाएगा।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि झील में सीवरेज जल का प्रवाह पूर्णतया अनुचित है, इसे रोकने हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों एवं स्थानीय निकाय के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान व्यर्थ बहने वाले पानी को संरक्षित करने हेतु पुष्कर के समीप एनीकट निर्माण कर जल संरक्षण एवं फॉरेस्ट डेवलपमेंट के कार्य किए जाएंगे।

2053 की कार्य योजना बना रही सरकार :-रावत ने बताया कि अजमेर जिले में श्रीनगर के समीप मोर सागर नामक कृत्रिम बांध का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। इसका वर्क ऑर्डर शीघ्र जारी कर दिया जाएगा। इस परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात अजमेर, ब्यावर सहित सम्पूर्ण जिले की भविष्य की जलापूर्ति आवश्यकताओं को सन् 2053 तक ध्यान में रखते हुए स्थायी समाधान मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए बीसलपुर से लिफ्ट सिस्टम के माध्यम से जल भंडारण किया जाएगा।

मंत्री रावत ने बताया कि जिले के अन्य पारंपरिक जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार तथा नए एनीकटों के निर्माण का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। साथ ही अजमेर से सटे प्रसिद्ध पर्यटक स्थल बीर का तालाब के सौंदर्यकरण एवं पर्यटक सुविधाओं के विकास हेतु तीन करोड़ रुपये की लागत से कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। समापन पर मंत्री रावत ने समस्त नागरिकों से अपील की कि जल संरक्षण को एक सतत जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं ताकि भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

महिलाओं ने मनरेगा में काम देने में भेदभाव का आरोप लगाया

- सीईओ को ज्ञापन सौंपा, महिलाओं ने गांव में पानी की समस्या की भी शिकायत की
- महिलाओं ने सीईओ से मनरेगा में काम दिलाने और गांव में पानी की व्यवस्था किये जाने की मांग की

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के ग्राम पंचायत तुहिया के गांव भाडोर की महिलायें जिला परिषद कार्यालय पहुंची, जहां अपनी समस्याओं को लेकर सीईओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन में बताया है कि उनके गांव में अन्य गांव की तरह मनरेगा का काम पूरे साल नहीं चलता, एक साल में एक बार चलता है फिर भी उन्हें काम नहीं दिया जाता। इसके अलावा महिलाओं ने गांव में पानी की समस्या की शिकायत की।

महिलाओं का आरोप है कि मनरेगा में काम देने में उनके साथ भेदभाव किया जाता है, जिससे उनके परिवार का पालन-पोषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, गांव में पीने के पानी का संकट है,गांव में एक ही पानी का टैंकर आता है जिसके लिए भी लोगों में खींचतान और झगड़े होते हैं। महिलाओं ने जिला कार्यकारी अधिकारी से मांग की है कि उन्हें मनरेगा में काम दिलाया जाए और गांव में पानी की व्यवस्था की जाए।

गांव की महिला अनीता ने बताया कि गांव भाडोर में अन्य गांव की तरह यहां मनरेगा का काम नहीं होता, जिससे आर्थिक स्थिति से जूझ रहे परिवारों के सामने रोजगार नहीं मिलने से जीवन-यापन में संकट पैदा होता है। उनके गांव में एक साल में एक बार ही मनरेगा का काम होता है। उसमें भी उनके साथ भेदभाव किया जाता है। गांव की अन्य महिला श्यामवती ने बताया कि उनके गांव में दूसरी सबसे बड़ी समस्या पानी है। गांव में खारा पानी है पीने के लिए एक टैंकर आता है। इसके पानी के लिए आपस में मारामारी हो जाती है। कई बार जिला प्रशासन के अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। दोनों मांगों को लेकर के जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन दिया है और मांग की है कि उनकी समस्या का समाधान किया जाए।

पेड़ से गिरकर युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। नारियल तोड़ते समय पेड़ से गिरने पर युवक की मौत हो गई। धरियावद प्रतापगढ़ हाल भीलों का बेदला निवासी नारायण (23) पुत्र शंकर मीणा सोमवार सवेरे मकान के पास स्थित नारियल के पेड़ पर चढ़कर नारियल तोड़ रहा था। इस दौरान संतुलन बिगड़ने पर निचे गिर पड़ा, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई सुनिल विश्नोई ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

ठगी का आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सूरवाल थाना प्रभारी जयप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने गस्त सायबर ठगी के आरोपी संजय उर्फ विक्की मीणा को गिरफ्तार कर उसके पास से एक एंड्राइड मोबाइल मय सिम कार्ड जब्त किया गया है। सूरवाल थाना प्रभारी जयप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल कांस्टेबल भवानी शंकर व संतोष कुमार की टीम ने सायबर क्राइम से प्राप्त लोकेशन के आधार पर गांव श्यामोता पहुंचकर साक्ष्य मिलने पर मोबाइल चेक से प्राप्त लोकेशन के आधार पर एप्लीकेशन, इंस्टाग्राम की आईडी से ऑनलाइन क्रिकेट, प्रेडिक्शन व ट्रेडिंग करने की पोस्ट टेलीग्राम व व्हाट्सएप आदि में विभिन्न मोबाइल नंबरों पर रुपए डबल करने का लुभावना ऑफर अनजान ग्राहक को ट्रैकिंग कर फर्जी बिल, फर्जी इन्वेस्ट के प्लान को दिखाकर राशि के नाम पर अनजान ग्राहकों से धोखाधड़ी कर रुपए हडपने का अनुचित लाभ प्राप्त किए जाने पर आरोपी संजय उर्फ विक्की मीणा को गिरफ्तार किया।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से अवैध शराब की ब्रांचों को बंद कराने की मांग की

ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र सिंह खड़गावत को ज्ञापन दिया

मसूदा, (निसं)। शराब की अवैध ब्रांच को तुरंत प्रभाव से बंद करने को लेकर ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र सिंह खड़गावत को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पीपलाज के राजस्व ग्राम रूपारेल, नाडी रूपारेल, फतेहगढ़, अमृतपुरा आदि क्षेत्रों में पिछले दह माह से लगभग 7-8 चोरी, लड़ाई-झगड़े, मारपीट के मुकदमे थाना सदर ब्यावर में दर्ज हुए है, जिसका मुख्य कारण इन क्षेत्रों में पूरी रात को खुली रहने वाली अवैध शराब की ब्रांचें है।

- अवैध शराब की दुकानों के आस-पास बैठकर शराब पीने के कारण क्षेत्र की महिलाओं का इन क्षेत्रों से गुजरना दूभर हो गया है

ज्ञापन में उन्होंने बताया कि इन ब्रांचों में आये दिन असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है तथा इन लोगों का क्षेत्र में इतना आतंक है कि इनके खिलाफ कोई भी व्यक्ति बोल ही नहीं पाता है। इन लोगों द्वारा दिन में ही इन अवैध शराब की दुकानों के आस-पास बैठकर शराब पीने के कारण क्षेत्र की महिलाओं का इन क्षेत्रों से गुजरना दूभर हो गया है। इन ब्रांचों के कारण क्षेत्र में सदैव तनाव का महौल बना रहता है तथा आये दिन झगड़ होते रहते हैं।

ग्रामवासियों ने कलेक्टर से कहा कि क्षेत्र की अवैध ब्रांचों को तुरन्त प्रभाव से बन्द करवाने हेतु कानूनी कार्यवाही कराने ताकि क्षेत्र के नागरिकों को राहत मिल सके, जिसमें (1) बन्नाजी चीता की ब्रांच रानीसागर रिको, (पीपलाज), (2) श्रवण की दुकान (वेलकम होटल) रानीसागर रिको, खरवा, (3) साबीर की दुकान, मुख्य चौराहा, रूपारेल (4) कुलदीप की दुकान, रिको (5) रामपाल पुत्र दलेल मस्जिद के पास, अमृतपुरा पीपलाज (6) मनोहर फौजी अमृतपुरा स्कूल के पास, अमृतपुरा पीपलाज। ग्रामवासियों ने कहा कि उपरोक्त सभी 6 ब्रांचों को तुरन्त प्रभाव से बन्द करवाया जावे अन्यथा क्षेत्र की शान्ति व्यवस्था भंग होने की संभावना बनी रहेगी। ज्ञापन देने के दौरान नेनु, बिरम, शंकर, तेजा, भंवर, रोशन, रमजान, श्रवणसिंह, चेतन सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

महिला की हत्या कर शव को जंगल में फंदे पर लटकाया, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (का.सं.)। सायरा थान पुलिस ने सोमवार को एक महिला की हत्या कर शव को जंगल में फंदे पर लटकाने के मामले का मात्र तीन घंटे में खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक का इस विधवा महिला से सम्पर्क था और विवाद होने पर उसने महिला की हत्या कर दी थी।

- आरोपी युवक का विधवा महिला से सम्पर्क था, विवाद होने पर महिला की हत्या कर दी
- महिला के पति का पांच साल पहले निधन हो चुका है

जानकारी के अनुसार उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र के चित्रावास गांव स्थित सरिया फला में सोमवार सुबह एक विधवा महिला का शव घर से करीब 100 मीटर दूर एक चट्टान पर मिला। महिला के गले में लगे फंदे में एक लकड़ी भी बंधी हुई थी। सायरा थानाधिकरी किशोर सिंह शेखावत जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मृतक महिला की पहचान सविता गरासिया (35) पत्नी स्व. जोगाराम गरासिया, निवासी सरिया, चित्रावास के रूप में हुई। मृतका के ससुर मसरू पुत्र मंशाराम गरासिया निवासी सरिया, चित्रावास ने बताया कि महिला रात्रि में घर पर ही थी, सुबह उसकी बेटी ने बताया कि माँ घर पर नहीं है, जिस पर उसे ढूंढने गए तो मंगरी पर उसका शव पड़ा मिला। परिजनों ने बताया कि महिला के पति जोगाराम की मौत हो चुकी है और वह बच्चों सहित ससुर के साथ घर पर रहती है।

चित्रावास गांव के सरपंच किरण गरासिया ने बताया कि मृतक महिला के पति जोगाराम का पांच साल पहले निधन हो चुका है। वे बीमार थे। महिला मनरेगा में मजदूरी करते हुए अपने तीन बच्चों को पाल रही थी। इनमें सबसे छोटा 6 साल का लड़का और 10 व 15 साल की दो लड़कियां हैं। मां की मौत के बाद अब बच्चे अकेले हो गए हैं। तीनों बच्चे अपनी मां के पास रोज की तरह रात को सोए थे। जब वे सुबह उठे तो उनके पास मां नहीं थी। बच्चों ने आस-पड़ोस में सूचना दी। जिसके बाद इधर-उधर मां की तलाश की गई तो घर से करीब 100 मीटर दूरी पर एक चट्टान पर महिला का शव पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अनुसंधान करते करते हुए पता चला कि एक युवक परदाराम का महिला घर आना-जाना था। इस पर उस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई उसने महिला से विवाद होने पर हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर अग्रिम अनुसन्धान शुरू कर दिया है।

डॉ. सक्का ने दो मिमी लंबा स्वर्ण निर्मित बोइंग 787 मॉडल बनाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के स्वर्ण शिल्पी डॉ. इकबाल सक्का ने अपनी कला से मानवता और संवेदनशीलता का उदाहरण पेश करते हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों और स्टाफ को श्रद्धांजलि देते हुए सोने से सबसे छोटा बोइंग 787 विमान बनाया है।

उदयपुर निवासी सौ से अधिक विश्व रिकॉर्ड होल्डर सक्का ने बताया कि सोने से बनाए इस विमान की खास बात है कि इसकी लंबाई मात्र दो मिलीमीटर है। इसे केवल लैंस की मदद से ही देखा जा सकता है। इसका वजन 100 मिलीग्राम है। इसे तैयार करने में तीन दिन का समय लगा। सक्का ने बताया कि यह मॉडल 24 कैरेट शुद्ध सोने से बनाया है। इस स्वर्ण विमान को नीलाम करने के लिए भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने अनुरोध किया है कि इस विमान की नीलामी से प्राप्त राशि से विमान हादसे में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के नाम से एक-एक पेड़ लगाया जाए, ताकि यह न सिर्फ एक श्रद्धांजलि हो, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सार्थक पहल बन सके।

- अहमदाबाद प्लेन क्रैश के दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी

उदयपुर के सूक्ष्म स्वर्ण शिल्पी इकबाल सक्का ने दो मिमी लंबा स्वर्ण निर्मित बोइंग 787 मॉडल बनाया।

दो लाख के जेवर सहित दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस ने चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो लाख के जेवर बरामद किये हैं।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में वृताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी व थाना सदर टोंक थानाधिकारी जयमल सिंह के नेतृत्व गठित टीम ने थाने में दर्ज चोरी व अन्य वारदात में फरार आरोपी रामखिलाडी मीणा व उसके साथी नाहर सिंह को गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी किये गये सोने के जेवरात बरामद किये हैं। सदर थाना प्रभारी जयमल ने बताया कि 28 मई की रात बृजविहार कॉलोनी, सवाई माधोपुर रोड स्थित आशा मीणा के मकान में चोरों ने कमरे और अलमारियों के ताले तोड़कर जेवरात और 50 हजार रुपये चुरा लिए थे। मामले में पीड़िता ने थाना सदर टोंक में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने इसकी जांच करते हुए घर में लगे सीसीटीवी कैमरे व तकनीकी सहायता से आरोपियों को नैनवा, बूंदी से पकड़ लिया। पुलिस ने रामखिलाड़ी पुत्र शंकर लाल मीणा उम्र निवासी खोहल्या थाना बनेठा हाल महावीरपुरा थाना नैनवा जिला बूंदी व नाहर सिंह पुत्र कजोड़ हरिजन निवासी बिसनपुरा थाना सैंथल जिला दौसा को गिरफ्तार किया है। दोनों सुनसान मकानों की रैकी कर रात में वारदात करते थे। पुलिस टीम ने आरोपियों से दो लाख रूपये के जेवरात बरामद किये हैं।

उदयपुर। राजीव गांधी पार्क में आए अजगर को रेस्क्यू कर प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया। वाइल्ड एंड स्ट्रीट ऐनिमल रेस्क्यू सोसाइटी के फाउंडर डॉ. पदम सिंह राठौड़ ने बताया कि सूचना मिली कि राजीव गांधी पार्क में एक विशालकाय सांप आ गया है तो उन्होंने अपनी टीम के हर्षवर्धन सिंह, प्रशांत और अर्जुन के साथ मौके पर पहुंचकर देखा तो एक अजगर कोने में बैठा हुआ था जो लगभग दस फीट का था। अजगर का रेस्क्यू कर उसे वापस प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

सांसी समाज के लोगों का कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन

निर्दोष लोगों को अवैध खनन के दो मामलों में फंसाने का आरोप लगाया

सांसी समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में राजनीतिक दबाव के चलते सांसी समाज को टारगेट करने का आरोप लगाते हुए सैकड़ों लोगों ने निर्दोष लोगों को अवैध खनन के दो मामलों में फंसाने का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया है। सांसी समाज सेवा संस्थान भीलवाड़ा के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया है कि बागौर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर में सांसी समाज के सेवादार पेंटर सांसी पुत्र सोहन लाल और कुछ अन्य लोगों को नामजद किया गया है, जबकि वे मौके पर मौजूद नहीं थे। सांसी समाज सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया है कि अवैध खनन करने वाले उदयराम जाट और मूलचंद जाट के साथ-साथ कुछ अन्य लोगों के नाम अवैध खनन की रिपोर्ट में होने के बावजूद, उन्हें राजनीतिक दबाव के चलते गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। इसके विपरीत, हरीश खटीक, ललित जाट, देवनारायण खटीक और शंकरलाल जाट सहित सांसी समाज के लोगों को बेवजह इस मामले में घसीटा जा रहा है। संस्थान ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, पुलिस महानिरीक्षक अजमेर रेंज, जिला कलेक्टर भीलवाड़ा और पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

लाखों की चोरी

उदयपुर, (निसं)। जिले के वाघपुरा थाना क्षेत्र में मकान में घुसकर चोर लाखों के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वाघपुरा थाना क्षेत्र मादड़ी गांव निवासी लक्ष्मण गुर्जर पुत्र हगजी गुर्जर के मकान की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे चोर 3 लाख 80 हजार रूपये नकदी करीब 16-17 लाख के सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गए। रात में परिवार सहित लक्ष्मण मकान में सोया था। खिडकी तोड़ कर चोर वारदात कर फरार हो गए। सूचना पर थानाधिकारी वेलाराम ने मौके पर पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण कर मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।

बीकानेर में 584 बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाई

बीकानेर, (निसं)। यहां इन दिनों सायबर ठगों का जाल गहराता जा रहा है। ताजा कार्रवाई में सायबर पुलिस ने 584 बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाई है, जिनका उपयोग देशभर में सायबर ठगी की रकम को इधर-उधर करने में किया गया। सायबर पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि इन खातों के मालिकों ने मामूली कमीशन या लालच में आकर अपने बैंक खाते किसी रिश्तेदार, दोस्त या अनजान व्यक्ति को सौंप दिए थे, जिससे वे अब खुद मुसीबत में फंस गए हैं।

सायबर पुलिस के अनुसार चार आरोपियों के खातों में करीब 5.5 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ जो विभिन्न राज्यों में सायबर ठगी के मामलों से जुड़ा पाया गया। पकड़े गए आरोपियों में राहुल सिंह, मनमोहन यादव, नाहिद अली और एक युवती गणपति राजपुरोहित शामिल हैं, जिनके खातों का दुरुपयोग सायबर ठगों ने किया। इनमें से एक आरोपी सिम कार्ड बेचने का काम करता था जो लोगों से दो बार अंगूठा लगवाकर उनके नाम पर कई सिमकार्ड निकलवाता था। बाद में इन सिम कार्ड्स का उपयोग फर्जी खातों से पैसे निकालने और ट्रांजेक्शन में किया गया। आरोपी युवती को भी एक गिरोह ने अपने जाल में फंसा कर उसके नाम पर बैंक खाता खुलवाया और सायबर ठगी की राशि को ट्रांसफर करने में उसका और अन्य बैंक खातों का इस्तेमाल किया।

सायबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ अभिषेक राठी के अनुसार, सायबर अपराधी आजकल लोगों को फर्जी कॉल, बिजली कनेक्शन कटने की धमकी, ई-केवाईसी अपडेट कराने, पीडीएफ लिंक भेजने, एपीके फाइल डाउनलोड करवाने जैसे तरीकों से फांसते हैं। राठी ने बताया कि लोगों को कभी भी अपना बैंक खाता, ओटीपी, पासवर्ड, आधार नंबर या अंगूठा किसी को भी नहीं देना चाहिए। मामूली फायदे के चक्कर में लोग अपनी पहचान और वित्तीय सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। बीकानेर में सायबर अपराधियों की सक्रियता तेजी से बढ़ी है और इसका शिकार अधिकांश वे लोग हो रहे हैं जिन्होंने अपनी सतर्कता खो दी है। मामूली लाभ के लिए बैंक खाता या सिम दूसरों को सौंपना अब भारी पड़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि आमजन जागरूक बनें और सायबर नियमों का पालन करें।

43.54 लाख के गबन के आरोपी की नापासर में तलाश

- नागपुर में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के यहां एकाउंटेंट का काम करने वाला गबन कर फरार हो गया था

बीकानेर, (निसं)। महाराष्ट्र के नागपुर में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के यहां एकाउंटेंट का काम करने वाला 43.54 लाख रुपए का गबन कर फरार हो गया, जिसकी बीकानेर के नापासर में तलाश की जा रही है। आरोपी नापासर का रहने वाला है और महाराष्ट्र पुलिस उसकी तलाश में आई है, लेकिन आरोपी का पता नहीं चल पाया है।

नापासर निवासी मुरलीधर मालचंद आसोपा महाराष्ट्र के नागपुर में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के यहां एकाउंट का काम देखता था। व्यवसायी ने 25 जून, 22 को उसे काम पर रखा। इस दौरान मुरलीधर ने व्यवसायी की कंपनी में अकाउंट का काम किया और 3 नवंबर, 2023 को दीपावली के समय गांव जाने के लिए निकला और वापस नहीं लौटा। इस दौरान कंपनी के अन्य कार्मिकों ने अकाउंट चेक किया तो 43,54,653 रुपए का गबन सामने आया। व्यवसायी की ओर से नागपुर के वाडी पुलिस थाने में आरोपी मुरलीधर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया। मुरलीधर इस मामले में फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए वाडी थाने के एसआई यूआर जायेभाये नापासर पहुंचे। स्थानीय पुलिस के सहयोग से आसोपा के घर गए और उसकी तलाश की, लेकिन, आरोपी नहीं मिला। नापासर पुलिस थाने के एसएचओ लक्ष्मण सुथार ने बताया कि नागपुर पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से आसोपा के घर नोटिस चस्पा किया है।

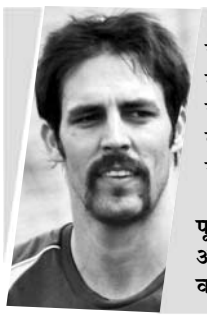

जोश हेजलवुड पिछले कुछ समय से फिटनेस की समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन नेशनल टीम की जगह उन्होंने आईपीएल में लौटने का फैसला किया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारियों पर ये बड़ा सवाल खड़ा करती है। **- मिशेल जॉनसन**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार का जिम्मेदार ठहराते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पारसा मंसूर

इजरायल और ईरान के बीच जंग गंभीर मोड़ पर पहुंच चुका है। दोनों तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ हमले जारी है। वहीं राष्ट्रीय पैडल टीम के एक प्रमुख सदस्य पारसा मंसूर की मौत हो गई है। पारसा मंसूर की मौत उस वक्त हुई जब वह ट्रेनिंग के बाद घर लौट रहे थे और मिसाइल हमलों में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। ईरानी टेनिस महासंघ और खेल समुदाय ने मंसूर की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है अपने समर्पण और केल कौशल के लिए पहचाने जाने वाले मंसूर को खेल में उभरता सितार माना जाता था।

क्या आप जानते हैं ?... हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और इंग्लैंड के बीच कुल 7 टेस्ट खेले गए हैं, इनमें से टीम इंडिया ने 2 टेस्ट जीते हैं। 1996 और 2002 में भारत जीती थी।

भारतीय टीम के साथ आज फिर से जड़ेंगे गौतम गंभीर

लंदन, 16 जून। भारत बनाम इंग्लैंड के बीच शुक्रवार को शुरु होने वाले टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर कल फिर से दल के साथ जुड़ जाएंगे।

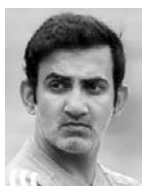

गौतम गंभीर अस्पताल में भर्ती मां के बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण 11 जून को इंग्लैंड से दिल्ली लौट आए थे। गंभीर की अनुपस्थिति में रायन टेन डेशकाटे, सहायक कोच सितांशु कोटक और गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्कल ने टीम की तैयारी की निगरानी की। इंडिया ए के कोच ऋषिकेश कानितकर भी उनके साथ थे। ऐसा माना जा रहा है कि गंभीर की मां के स्वास्थ्य में अब सुधार है और वह मंगलवार को भारतीय टीम के साथ जुड़ जायेंगे। पहले टेस्ट को देखते हुए गंभीर को टीम प्रबंधन के साथ मिलकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे। जसप्रीत बुमराह को पांच टेस्ट में से तीन टेस्ट खेलने है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वह कौन से तीन मैचों में खेलेंगे। इसके अलावा साई सुदर्शन और वापसी कर रहे करुण नायर के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए विकल्पों पर विचार करना होगा।ध्रुव जुरेल और अभिमन्यु ईश्वरन भी अच्छी फॉर्म में हैं। नीतीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर के बीच भी चयन को लेकर भी फैसला लेना होगा।

चौगान स्टेडियम में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

जयपुर, 16 जून। ग्रीष्म कालीन क्रीडा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्वामी बाल मुकुंद आचार्य विधायक हवा महल विधानसभा क्षेत्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में खेल अधिकारी

मानसिंह द्वारा 16 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कैंप के माध्यम से सभी खेलों के प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। कैंप के समापन समारोह में चयनित प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया जाएगा। खेल अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि बालमुकुंद आचार्य का माल्यार्पण कर स्वागत किया गय। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सुरेश गुर्जर (जिला महामंत्री भा.ज.पा.), कैलाश महावर (पूर्व पार्षद), राजेंद्र पारीक एवं कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपस्थित हुए। सभी अतिथियों का खेल प्रशिक्षकों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया गया एवं सरकारी योजनाओं का खिलाड़ियों के को अधिक से अधिक कैसे फायदा मिले उसके बारे में समझाया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि स्वामी बालमुकुंद आचार्य द्वारा ग्रीष्मकालीन क्रीडा प्रशिक्षण शिविर प्रतिभा खोज का विधिवत उद्घाटन की घोषणा की गई।

क्रिकेटर अंडर-23 टूर्नामेंट हेतु ट्रायल 18 जून से

जयपुर/दौसा, 16 जून। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया गया कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर -23 टूर्नामेंट 1 जुलाई से होना प्रस्तावित है। जिसके लिए जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा 18 जून प्रात: 8 बजे से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में ट्रायल रखी गई है। चयन ट्रायल में आने वाले खिलाड़ियों की आयु 1/9/2002 के बाद की होना आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य है। पिछले 3 साल की मार्कशीट, कंप्यूटराइज बोनाफाइड सर्टिफिकेट ,जन्म प्रमाण पत्र ,आधार कार्ड स्वयं और माता पिता का साथ ही सभी दस्तावेज डिजिटल लाना अनिवार्य है। सचिव उपाध्याय ने बताया कि जिले की टीम का परिणाम आशनुरूप नहीं आ रहा है। हमने जिले के खिलाड़ियों को खूब मौके दिए है परन्तु खिलाड़ी अच्छा परिणाम नहीं दे पाये है इसलिए टीम में इस बार से प्रोफेशनल खिलाड़ी भी लिए जायेंगे। दौसा की टीम को मजबूत बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे है। टीम में चयन को पारदर्शी बनाने हेतु जिले से बाहर के कोच से ट्रायल में सिलेक्शन किया जाएगा। ट्रायल के बाद खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट कर ,जिस फॉर्मेट में टूर्नामेंट होगा उसी फॉर्मेट के हिसाब से खिलाड़ियों की टीम बनाकर अधिक से अधिक मैच कराए जाएंगे। उन मैच की परफॉर्मेंस के हिसाब से चयन समिति द्वारा जिले की टीम घोषित की जाएगी।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में 5 अक्टूबर को टकराएंगे भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली, 16 जून। श्रीलंका और भारत की मेजबानी में होने वाले महिला वनडे (वर्ल्ड कप 2025) 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच होगा। 8 टीमों के बीच टूर्नामेंट में कुल 31 मैच खेले जाएंगे, जिसके पूरे शेड्यूल की जानकारी सामने आई है। इस पूरे टूर्नामेंट में सबसे चर्चित मैच भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला है।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का पहला मैच मंगलवार, 30 सितंबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें मेजबान भारत और श्रीलंका आमने सामने होगी। हाइब्रिड मॉडल के तहत होने वाले इस आयोजन में पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगी।वहीं भारत के साथ वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं। इसके अलावा फॉर्मेट की बात करें तो राउंड-रॉबिन के बाद

नॉकआउट स्टेज में 2 सेमीफाइनल होंगे। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच महिला वर्ल्ड कप का ये मैच 5 अक्टूबर को श्रीलंका के कोलंबो स्थिति आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। गौरतलब है कि, ऑस्ट्रेलिया 7 बार महिला वनडे वर्ल्ड कप की विजेता बन चुकी है, वहीं इंग्लैंड ने चार बार और न्यूजीलैंड एक बार चैंपियन बनी है। भारतीय टीम कभी महिला वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है, लेकिन 2 बार उपविजेता जरूर बनी है।

वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का शेड्यूल

30 सितंबर - भारत और श्रीलंका - बेंगलुरु-3 बजे
5 अक्टूबर - भारत और पाकिस्तान - कोलंबो, 3 बजे
9 अक्टूबर - भारत और द. अफ्रीका - विजाग- 3 बजे
12 अक्टूबर - भारत और ऑस्ट्रेलिया - विजाग 3 बजे
19 अक्टूबर - भारत और बांग्लादेश - इंदौर-3 बजे
23 अक्टूबर - भारत और न्यूजीलैंड - गुवाहाटी-3 बजे
26 अक्टूबर - भारत और इंग्लैंड - बेंगलुरु-3 बजे

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी के पास इतिहास रचने का मौका

लंदन, 16 जून। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ीयशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है।

उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है। यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अद्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं।

बुमराह-सिराज और जडेजा रच सकते हैं इतिहास

लंदन, 16 जून। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शामिल हैं।वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा के पास लीड्स में इतिहास रचने का मौका है। संयोग से ये तीनों ही यहां एक-एक मैच खेले हैं और तीनों ने ही दो-दो विकेट अपने नाम किए हैं। अगर इन तीनों में से जो भी 20 जून से खेले जाने वाले टेस्ट में 6 विकेट लेने में सफल हो जाते हैं तो वह भारत के लिए लीड्स में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बन जाएगा।

73 साल का महारिकॉर्ड पर निगाहें

लीड्स में 73 साल पहले भारतीय गेंदबाज गुलाम अहमद ने बनाया था। उन्होंने 1952 में खेले गए एक ही मैच में सात विकेट चटकाए थे। इसके बाद रोजर बिन्नी ने 1996 में सात विकेट अपने नाम कर गुलाम अहमद के रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद 2002 में अनिल कुंबले सात विकेट चटकाते हुए भारत को आखिरी बार यहां जिताया। इस तरह रोजर बिन्नी और अनिल कुंबले ने गुलाम अहमद के रिकॉर्ड की बराबरी तो की लेकिन उनसे आगे नहीं निकल पाए।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्वार्टर फाइनल मैच

श्रीगंगानगर के सुमित गोदारा का शानदार दोहरा शतक

जयपुर, 16 जून।आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के एक दिवसीय लीग मैचों के सफल आयोजन के बाद आज से जयपुर में प्रतियोगिता के 2 दिवसीय क्वाटर फाइनल मैच शुरू हुए।

श्रीगंगानगर के सुमित गोदारा ने शानदार दोहरा शतक जमाया। आज शिवा चौहान, शोभित मिश्रा, राम मोहन, मनीष टांक, दिव्य प्रताप राजपुरोहित, मुकुल चौधरी के अर्धशतकामनीष कुमार, दानिश भाम्भू, तनवीर की बढ़िया गेंदबाजीरही।

के एल सैनी स्टेडियम पर केक काटकर बनाया आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी का जन्मदिन एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि आज

आरसीएएडहॉक कमेटी संयोजक व श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी के 60वे जन्मदिन के अवसर पर के एल सैनी स्टेडियम परआरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा, श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ सचिव विनोद सहारण, नागौर जिला क्रिकेट संघ सचिव राजेंद्र नांधू, टोंक जिला क्रिकेट संघ सचिव विवेक व्यास, डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ सचिव सुशील जैन, बूंदी जिला क्रिकेट संघ सचिव राजकुमार माथुर, आरसीए स्टाफ व राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड का क्वाटर फाइनल मैच खेल रही टीमों के सदस्यव मैच ऑफिशियल मौजूद थे।विमल के अनुसार जयदीप बिहाणी के जन्मदिन का केक आज के मैच में शानदार दोहरा शतक लगाने वाले श्रीगंगानगर के खिलाडी सुमित गोदारा ने काटा।

अजीज वेस्ट जोन के तीसरे नंबर व राष्ट्रीय खिलाड़ी महेंद्र ठाकुर को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 16 जून। स्वर्गीय देवकी ठाकुर स्मृति जयपुर जिला ओपन रैंकिंग कैरम प्रतियोगिता के तीसरे दिन, चौगान स्टेडियम पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता के पुरुषों के एकल मुकाबले में आशिक़ (साबिर क्लब) ने बिलाल (सईद) को, बॉबी (अली क्लब) ने नाज़िम को , प्रदीप ठाकुर ने दूसरे राउंड में अंकित शर्मा को , हिलाल ने आकिब को 2 -0 से, रमजान ने मोईन को, महेंद्र ठाकुर ने आयुष को 2 - 0 से, तनवीर ने हिशाम को 2 -0 से, जुनैद ने मेहराज को 2 -0 से हराया। एक शानदार हुए मैच में अज़ीज़ ने वेस्ट जोन के तीसरे नंबर व् राष्ट्रीय खिलाडी महेंद्र ठाकुर को 2 - 0 से हरा कर सभी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। महा सचिव जय प्रकाश ठाकुर ने बताया की सेमि फाइनल व् अन्य सभी कल प्रात: 9:30 से शुरू होकर 4 बजे तक ख़तम होकर, पुरुस्कार वितरण शाम 5 :30 होगा जिसमे मुख्य अतिथि भाजपा पूर्व कैबिनेट मंत्री व् लीडर राजेंद्र सिंह राठौर होंगे। अध्यक्ष पूर्व आईएएस अजय सिंह चित्तौरा, भाजपा पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी व् जयपुर सांसद मंजू शर्मा होंगी।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में पदमजा ने चार, गरिमा व रक्षित ने 3-3 खिताब जीते

जयपुर, 16 जून। आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में जिला बैडमिंटन में पद्मजा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार खिताब जीते, वहीं रक्षित सिंह मेहरा व गरिमा यादव ने तीन-तीन खिताब जीते। इनके अलावा भानु प्रताप जाटोलिया,अद्विका अग्रवाल, जयवर्धन सिंह, अन्वी राठौर, श्रेयांश चौधरी, अंश कटारा ने भी दो-दो खिताब जीते।

आज पांच फाइनल खेले गए जिसमें बॉयज सिंगल्स अंडर 11 फाइनल में रक्षित सिंह मेहरा ने नैतिक बंसल को 21- 9, 21 -14 हराया। बॉयज सिंगल्स अंडर 13 फाइनल में रक्षित सिंह नेहरा ने लक्ष्यराज सिंह नाथावत को 21 -10, 21 -10 से हराया। तीसरा फाइनल बायस सिंगल्स अंदर-19 में भानु प्रताप जाटोलिया ने 21-9 ,21-17 अम्बर चंद्रवंशी को हराया। बॉयज 13 डबल्स

में रक्षित सिंह नेहरा और लक्ष्यराज सिंह की जोड़ी ने और प्रणव- अनीश चाहर की जोड़ी को 21 -12 ,21- 19 से हराया।

बॉयज डबल अंडर-19 के फाइनल में प्रांजल कौशिक व अंबर चंद्रवंशी की जोड़ी ने भानु प्रताप व विशाल चौधरी की जोड़ी को लंबे कड़े संघर्ष के बाद 20-22 ,20- 21, 21-17 से 55 मिनट के कडे संघर्ष में परास्त किया। जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार पारितोषित वितरण मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक में पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ तथा विशिष्ट अतिथि आरडी बाहेती, प्रदीप बाहेती, रिटायर्ड चीफ जस्टिस एन के जैन, यश समिति के अध्यक्ष आशीष सराफ तथा एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने परितोषित वितरण किया इस मौके पर कालीचरण सराफ ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा खिलाड़ियों की खेल भावना की तारीफ की। वहीं प्रदीप बाहेती ने खिलाडियों की खेल भावना की तारीफ की।

आयोजन सचिव अतुल गुप्ता ने सभी को यह शानदार आयोजन के लिए बधाई दी। इस मौके पर बैडमिंटन से जुड़े अभय पुरोहित ,मधु कांत मोदी बीजेपी नेता ब्रहम कुमार सैनी, नटवर कुमावत, ललित भारद्वाज, राजपाल यादव, राजीव नागोरी, पराग लश्करी, डॉक्टर करण दीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

34वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में आज राजस्थान के लिए मनोज एवं आनंद ने जीता कांस्य पदक

जयपुर,16 जून। भारतीय वुशू संघ व राजस्थान वुशू संघ के तत्वावधान मे दिनांक 14 से 19 जून तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे आयोजित हो रही 34वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगित के तीसरे दिन राजस्थान के लिए मनोज चित्तौडिया ने जिंगि क्वान एवं आनंद सैनी ने नन्क्वान में कांस्य पदक जीते। तीसरे दिन के समारोह के मुख्य अतिथि राहुल सिंघी, कॉफांउडर पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, व विशिष्ठ अतिथि भागवान सहाय, जाटवा, ज्वाईंट डायरेक्टर, कृषि मंडी, जीतु शर्मा, निदेशक रामेश्वरम पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, दीपक चौधरी निदेशक, सैंट विलियम्स सीनियर सैकण्डरी स्कूल, जयदेव मीणा, पार्षद नगर पालिका बगरू, रमेशा सिंह शर्मा, पार्षद, हनुमानराय चौधरी, डेयरी डायरेक्टर, रामनारायण थौरी, सरपंच रहे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वूशु संघ ने सभी अतिथियों का साफा पहनाकर व बूके, स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया।

21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का समापन आज

डॉ. नीरज के. पवन, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग व खेल परिषद अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर, 16 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा जयपुर में आयोजित 21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को प्रात: 10 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में समापन होगा। डॉ. नीरज के पवन, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग व खेल परिषद अध्यक्ष समापन समारोह के मुख्य अतिथि होगें। खेल परिषद अध्यक्ष के अलावा समारोह की अध्यक्षता खेल परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा और विशिष्ठ अतिथि मुख्य शिविर निदेशक व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया होंगे।

21 दिवसीय शिविर 28 मई से आयोजित किया गया था, जिसका समापन मंगलवार को प्रात: होगा। शिविर में प्रदेशभर के खिलाडियों ने 21 दिन तक गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होने बताया कि प्रतिवर्ष मांउट आबू के अलावा जयपुर में केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान किया जाता है।

मुख्य खेल अधिकारी व मुख्य शिविर निदेशक वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि शिविर में 14 खेलों के बालक/बालिका खिलाडियों को गहन प्रशिक्षण दिया गया। परिषद के वरिष्ठ प्रशिक्षको द्वारा प्रात: काल व सायं काल खेल की बारिकियों व फिटनेस आदि के बारे में बताया गया। शिविर निदेशक व खेल प्रबन्धक रणविजय सिंह चाम्पावत ने बताया कि शिविर में 160 बालक व 135 बालिकाओं सहित कुल 295 खिलाडियों ने भाग लिया। खिलाडियों को शिविर में नि:शुल्क आवास, भोजन और प्रशिक्षण मुहैया करवाई गई।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जो.वि.प्रा./जोधपुर/जोन पूर्व/RAJKAJ/15906751 दिनांक :- 13/06/2025
खुली निविदा सूचना संख्या :- पूर्व/02-03/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं निविदाएं बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB Code : JOD2526A0045, 49
UBN No. : JOD2526WSOB00112, 00116, 00117
राज.संवाद/सी/25/4326 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर परिषद बारां
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां (राज0) Phone : 07453-230106
क्रमांक :- नपबा/सफाई/2025/1730 दिनांक :- 13.06.2025
निविदा सूचना संख्या : 10/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 हेतु इस कार्यालय आवारा पशुओं को पकड़कर सरकारी अनुदान प्राप्त गौशाला एवं अन्य निर्जन स्थान जहाँ पर पर्याप्त चारा पानी उपलब्ध हो, उस स्थान पर छोडने का कार्य (श्रमिक सहित समस्त संसाधन) के लिए कार्य हेतु ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक/फर्म निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देख सकते है।
UBN No. DLB2526SSOB07871
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/4368 नगर परिषद बारां

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
क्रमांक : न.पा.रा./2025/519 दिनांक 12.06.2025
ई-निविदा सूचना 03/2025-26
नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 16.06.2025 से 29.06.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 16.06.2025 से 29.06.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 30.06.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 30.06.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB-2526A2466	DLB2526WSOB07786

राज.संवाद/सी/25/4334 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रामगंजमण्डी

DR. BHIMRAO AMBEDKAR LAW UNIVERSITY
(A State Funded University of Rajasthan) Plot No. 08, Dehmi Kalan, JDA Institutional Scheme, Bagru, Tehsil- Sanganer, Distt- Jaipur-303007 (Rajasthan)
F.No. F4(24)Exam/ALU/2025-26/1001 Date :- 13/06/2025
NOTICE INVITING E-BID
डॉ भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा परीक्षाओं व अन्य कार्यों हेतु विनिर्दिष्ट निविदादाताओं से खुली ई-निविदा "Hiring of Vehicles category wise on Annual Rate Contract on demand basis" दिनांक 27.06.2025 को अपरान्ह 02.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं शर्तें, अनुमानित लागत, बिड प्राप्त करने एवं भरी हुई बिड प्रस्तुत करने की दिनांक, बिड शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं विश्वविद्यालय की वेबसाईट http://www.alujaipur.ac.in पर देखी जा सकती है।
UBN : ALU2526SLRC00004
राज.संवाद/सी/25/4352 कुलसचिव डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान) फोन नं. 01425-254988(का.) e-mail Id : comptroller@sknau.ac.in
क्रमांक :- एफ.03( )वि.नि./कोष./श्रीकनकृविवि/2025/ दिनांक :-
Proposal for Annual Rate Contract are invited up to 11.00 A.M. of 03.07.2025 for rate contract for purchase of glassware, plastic ware and other lab consumables. The details are available in the Bidding Documents which can be availed from the office of The Comptroller, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner- 303 329 or can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website "sppp.rajasthan.gov.in" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "www.sknau.ac.in". The bidding document after filling up properly can be uploaded on website "https://eproc.rajasthan.gov.in" along with payment of Rs. 2000/- through banker's cheque/demand draft in favour of The Comptroller, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner-303329.
UBN is : SKN2526GLOB00100
Raj.Samwad/C/25/4318 Comptroller

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
नेशनल हाईवे नम्बर- 11, श्रीडूंगरगढ़ जिला- बीकानेर
Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com
क्रमांक :-न.पा.श्रीडूं/1120 दिनांक :-13.06.2025
निविदा सूचना
नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in व WWW.etenders.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	UBN NO
1.	DLB2526GSOB07776
2.	DLB2526GSOB07778
3.	DLB2526GSOB07785
4.	DLB2526GSOB07782

अध्यक्ष नगरपालिका श्रीडूंगरगढ
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका श्रीडूंगरगढ
राज.संवाद/सी/25/4355

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/09-14 दिनांक: 13.06.2025
पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/09-14
आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-विड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमन्त्रित की जाती है:-

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No
1	09	Development and maintenance of Mahima Panash Road Airport road to maharana Pratap circle for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00231	108.64	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	114/2025-26
2	10	Development and Maintenance of Median and Greenbelt Bharat mata circle to Narayan vihar, (Narayan vihar 200 ft road) and Narayan vihar 200 ft road to Narayan sagar A Block for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00232	91.69	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	123/2025-26
3	11	Development and maintenance of Mahal Road to Housing Board (Rana Sanga Marg JDA area) and Abkari Thana to NRI Road for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00234	86.68	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	121/2025-26
4	12	Development and Maintenance of H T Line Greenbelt Narayan vihar 200 ft road to vande matram road for 2 year in H. zone-II UBN No.: JDA2526WSOB00235	104.18	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	125/2025-26
5	13	Maintenance of Median and Greenbelt of Airport Road mahal road to cheelgadi restaurent for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00236	86.67	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	124/2025-26
6	14	Development and Maintenance of Median and Greenbelt of Prbhu Dayal marg sanganer flyover to hotel runway for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00237	63.14	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	122/2025-26

नोट :-
1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्तें वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/4353 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

'प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन 10 दिसम्बर को आयोजित होगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सम्मेलन की कार्ययोजना तैयार करने के लिए बैठक ली

जयपुर, 16 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थानियों ने अपने सामर्थ्य की बदौलत विश्वभर में प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि पर काम करते हुए मातृभूमि पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के योगदान के सम्मान में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की सहूलियत और उनके मुद्दों के लिए राज्य सरकार एक नए विभाग का गठन करने जा रही है। साथ ही, सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाने के संबंध में आदेश एवं गाइडलाइन भी जारी हो चुकी है।

शर्मा ने कहा कि "आपणो अग्रणी राजस्थान" के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में, प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग लिया जाए। अधिकारी, प्रवासी राजस्थानियों से नियमित संपर्क करें और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने 10 दिसम्बर को होने वाले इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजस्थान फाउन्डेशन के 14 नये चैप्टर्स की कार्यकारिणी का गठन कर सक्रिय लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि फाउन्डेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर नियमित संवाद करे।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स के मनोनीत अध्यक्ष कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर सक्रिय लोगों को जोड़ें। फाउंडेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर निरंतर संवाद भी करे। बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित थे।

हाँगकाँग से दिल्ली आ रहे ड्रीम लाइनर विमान में तकनीकी खराबी

नयी दिल्ली, 16 जून। अहमदाबाद लंदन एयर इंडिया विमान हादसे के चार दिन बाद हांगकांग से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक और बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में उड़ान भरने के चंद मिनट बाद तकनीकी समस्या का पता लगने पर उसे वापस हांगकांग लौटना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार हांगकांग से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई315 बीती रात 11 बज कर 59 मिनट पर हांगकांग से रवाना हुई थी। रिकार्ड के अनुसार यह उड़ान तीन घंटे नौ मिनट के विलंब से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के बाद पायलट को हवा में ही तकनीकी समस्या का संदेह हुआ। इस पर पायलट ने विमान को समुद्र के ऊपर कुछ देर उड़ाया और जब दिक्कत दूर नहीं हुई तो वापस लौटने का फैसला किया।

- **लगभग एक घंटे की उड़ान के बाद एयर इंडिया के इस विमान को पुन हाँगकाँग लौटाया गया, जहां उसकी जांच की जा रही है।**

इसके बाद विमान करीब एक घंटे 19 मिनट बाद अपने मूल स्थान यानी हांगकांग हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान स्थानीय समयानुसार एक बज कर 18 मिनट पर हांगकांग हवाई अड्डे पर उतरा। जहां उसकी गहन तकनीकी जांच की जा रही है।

जज की पोस्ट के लिए तीन साल लॉ प्रैक्टिस की अनिवार्यता के खिलाफ याचिका दर्ज

याचिका दायरकर्ता ने इस अनिवार्यता को अनुच्छेद 14 व 16 के तहत मूल अधिकारों का हनन बताया

नयी दिल्ली, 16 जून। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के लिए तीन साल की वकालत अनिवार्य करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर की गई है।

न्यायिक सेवा के इच्छुक याचिकाकर्ता अधिवक्ता चंद्रसेन यादव शीर्ष अदालत के 20 मई, 2025 के उस फैसले की समीक्षा की मांग की है, जिसमें सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के पद के लिए परीक्षा में बैठने के वास्ते बार में कम से कम तीन साल की प्रैक्टिस अनिवार्य की गई है।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में देश के सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को संबंधित सेवा नियमों में संशोधन करने का निर्देश दिया था, जिसके तहत सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में न्यायिक सेवाओं में शामिल होने इच्छुक अभ्यार्थियों को अब अधिवक्ता के रूप में तीन साल का अनुभव अनिवार्य करने का प्रावधान करने को कहा था।

समीक्षा याचिका में यादव ने तर्क दिया कि बार में तीन साल की प्रैक्टिस अनिवार्य करने की मनमानी और अनुचित शर्त लगाने के कारण संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

उन्होंने दलील दी कि न्यायाधीश पद पर नियुक्ति आवेदक के लिए नए प्रावधान के कारण उनके समान अवसर और सार्वजनिक रोजगार तक उचित पहुंच के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

- **अधिवक्ता चंद्रसेन यादव ने याचिका दायर की और यह भी कहा कि तीन साल की अनिवार्यता महिलाओं, पहली पीढ़ी के वकीलों व आर्थिक रुप से कमजोर अभ्यर्थियों को हतोत्साहित कर सकती है।**

अधिवक्ता कुनाल यादव के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि तीन साल की अनिवार्य वकालत के नियम अभी नहीं, बल्कि उसे वर्ष 2027 से ही लागू किया जाना चाहिए। इससे हाल ही में विधि स्नातक हुए (2023-2025) विद्यार्थी अनुचित तौर पर प्रभावित नहीं होंगे, जिन्होंने पिछले पात्रता मानदंडों के अनुसार तैयारी की थी।

शीर्ष अदालत के फैसले पर याचिका में कहा गया,ऐसे नए विधि स्नातकों की संख्या या सफलता दर पर कोई विचार नहीं किया गया, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से न्यायिक सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद न्यायपालिका में प्रभावी ढंग से काम किया है। ऐसे तथ्य के अभाव में, यह निर्णय (शीर्ष अदालत का) संवैधानिक आवश्यकता का उल्लंघन करता है।

याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि तीन साल की आवश्यकता महिलाओं, पहली पीढ़ी के वकीलों और आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों को हतोत्साहित कर सकती है, जिनके पास स्थिर न्यायिक पद हासिल करने से पहले अनिश्चित वकालत (कानूनी अभ्यास) को बनाए रखने के साधन नहीं हो सकते हैं।

याचिका में कहा गया,न्यायालय को शेट्टी आयोग की सिफारिशों की उचित रूप से सराहना करनी चाहिए थी, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि यदि युवा और मेधावी विधि स्नातकों को गहन प्रशिक्षण दिया जाता है, तो न्यायिक सेवा में प्रवेश के लिए बार में तीन साल के अभ्यास को पूर्व शर्त के रूप में निर्धारित करना आवश्यक नहीं हो सकता है।

याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि इस निर्णय ने विधि स्नातकों के एक पूरे वर्ग को पूरी तरह से अयोग्य घोषित कर दिया जबकि यह प्रमाणित नहीं किया गया कि तीन साल के अभ्यास के बिना प्रत्येक विधि स्नातक को न्यायिक सेवा में प्रवेश के आवेदन के लिए अयोग्य माना जाए।

प्र.मंत्री मोदी आज कैनडा पहुंचेंगे

निकोसिया, 16 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस की यात्रा पूरी करके आज शाम कैनडा के कैलगिरी के लिए रवाना हो गये। मोदी ने लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के पहले एक्स पर साइप्रस के नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस की यादगार यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स और साइप्रस के लोगों को उनकी असाधारण गर्मजोशी और आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कैनडा जा रहे हैं।

- **प्र.मंत्री कैलगिरी में आयोजित हो रही जी-7 शिखर वार्ता में शिरकत करेंगे।**

करोना संक्रमण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छत्तीसगढ़ , दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एक-एक मरीज की मौत हो गयी है। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में जहां ज्यादा सक्रिय मामले सामने आये हैं वहीं राष्ट्रीय राजधानी, केरल, तमिलनाडु और गुजरात में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के सिर्फ़ 257 एक्टिव थे जो आज बढ़ कर 7264 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 13604 मरीज करोना के संक्रमण से ठीक हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले उत्तर प्रदेश से 37, राजस्थान से 30 और कर्नाटक से 18 मामले सामने आये हैं और दिल्ली में 33, केरल में 87 और महाराष्ट्र में 38 मामले कम हुए हैं।

हर माह औसतन 17 बाघों की मौत हो रही है

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के डेटा के अनुसार, गत साढ़े 5 महीनों में 91 बाघ मारे गए हैं

नई दिल्ली, 16 जून।भारत में इस साल अवैध शिकार, क्षेत्रीय विवाद, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन दुर्घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से अब तक 91 शाही बाघों की मौत हो चुकी है। यह एक खतरनाक आंकड़ा है जिसके मुताबिक देश में हर महीने औसतन लगभग 17 बाघों की मौत हो रही है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के आंकड़ों के अनुसार पिछले साढ़े पांच महीनों में अवैध शिकार, क्षेत्रीय विवाद, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन दुर्घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से 91 बाघ मारे गए हैं। यह खतरनाक आंकड़ा बताता है कि हर महीने देश में औसतन 17 बाघ मौत के मुंह में समा रहे हैं।

अगर यही सिलसिला जारी रहता है तो इस साल बाघों की मौत के कुल मामलों की संख्या पिछले साल के 126 के आंकड़े को पार कर सकती है।

- **प्राधिकरण के अनुसार बाघों की मौत के लिए अवैध शिकार, क्षेत्राधिकार की लड़ाई, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन हादसे तथा प्राकृतिक कारण जिम्मेवार हैं।**

गौरतलब है कि 2019 से 2023 तक की पांच साल की अवधि में समूचे भारत में कुल 628 बाघ मारे गए हैं।

इस बीच 2025 के पहले पांच महीनों में बाघो की मौत से जुड़े आंकड़े हर राज्य में असमान ही है जिसमें आधे से अधिक यानी 49 मौतें मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हुई हैं जहाँ ट्रेन दुर्घटनाएँ और संक्रामक रोग भी इनकी मौत के जिम्मेदार पाये गये हैं1

अकेले महाराष्ट्र में ही 26 बाघों की मौत की सूचना है। उसके बाद मध्य प्रदेश में 24 बाघों की मौत हुई। अन्य प्रभावित राज्यों में केरल (नौ), असम (आठ), उत्तराखंड (सात), कर्नाटक और उत्तर प्रदेश (चार-चार) और तेलंगाना (एक) शामिल हैं।

आंकड़ो से जानकारी मिली है कि 42 बाघ अपने अपने संरक्षित स्थानों के अंदर ही मृत पाए गए जो प्राकृतिक कारणों या क्षेत्रीय लड़ाई के कारण हो सकते हैं। वहीं 35 बाघ इन संरक्षित क्षेत्रों के बाहर मरे पाए गए।

इस क्षेत्र में काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन 'भारतीय वन्यजीव संरक्षण सोसायटी' (डब्ल्यूपीएसआई) से उपलब्ध डेटा अधिक चिंताजनक है। यह दर्शाता है कि 2025 में बाघों की मौतों में वृद्धि हुई है जिसमें अब तक 120 मौतें दर्ज की गई हैं।

'बार-बार निरुत्साहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए उन्होंने उनके मुवक्किल को अंतरिम जमानत देने की मांग की। इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसी तरह की याचिका पहले ही सुप्रीम कोर्ट की तीन-न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा खारिज की जा चुकी है। जस्टिस मेहता ने कहा, "हम इस याचिका के पीछे की रणनीति तथा दलीलों से कतई प्रभावित नहीं हैं। आपकी एसएलपी इस कोर्ट के तीन जजों की बैंच द्वारा पहले ही खारिज की जा चुकी है और अब आप अवकाश के दौरान एक बार खारिज किये जा चुके मामले में उसी राहत को फिर से पाने की कोशिश कर रहे हैं।" जब कोर्ट ने आदेश लिखवाना शुरू किया, तब रोहतगी ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और याचिका वापस ले ली गई।

आरएएस मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जा रही थी, पर परीक्षा स्थगित नहीं होने पर, अंतिम समय पर याचिका दायर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया कि भारत-पाक के बीच टकराव के दौरान बॉर्डर एरिया में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित रही, लाइब्रेरी आदि को भी बंद कर दिया गया, जिससे अभ्यर्थी भी प्रभावित हुए। वहीं, एक्स सर्विसमैन कोटे में आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों को पुन: ड्यूटी पर बुलाया गया था। इस लिए उन्हें भी अध्ययन का मौका नहीं मिला। याचिका में कहा गया कि आरपीएससी पूर्व में भी कई बार मुख्य परीक्षा को स्थगित कर चुकी है। एक भर्ती में तो मुख्य परीक्षा की तिथि से दो दिन पूर्व ही भर्ती स्थगित की गई थी। ऐसे में अभ्यर्थियों के हितों को देखते हुए, मंगलवार से होने वाली मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए। वहीं, दूसरी ओर अदालत ने आरएएस भर्ती-2023 के साक्षात्कार में याचिकाकर्ता सुरेश मीणा को शामिल करने को कहा है।

सोनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसी प्रकार आईजीएमजी के डिप्टी मैडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अमन चौहान ने भी आश्वस्त करते हुए कहा, "उनका ब्लड प्रेशर थोड़ा बढ़ा हुआ था, लेकिन कोई गंभीर बात नहीं थी। केवल सामान्य जाँचें की गईं तथा किसी विशेष जाँच या इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ी।" हाल ही में, सोनिया गांधी के प्राय: अस्पताल जाने की खबरें देश भर में सुर्खियों में रही हैं, क्योंकि वे दशकों से भारतीय राजनीति का एक प्रमुख चेहरा रही हैं। हालांकि चिंता की कुछ खबरें सामने आईं, लेकिन दिल्ली और शिमला दोनों जगह से मिले चिकित्सकीय अपडेट यह दर्शाते हैं कि घबराने की कोई बात नहीं है।

भाजपा ने बांग्लादेश उच्चायोग पर प्रदर्शन किया

- **बांग्लादेश में टैगोर के पैतृक आवास पर की गई तोड़फोड़ के खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया, भाजपा नेताओं ने कहा, बांग्ला संस्कृति का अपमान बर्दाश्त नहीं है।**

नयी दिल्ली, 16 जून। नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर के बंगलादेश स्थित पैतृक मकान में तोड़फोड़ के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने यहां सोमवार को प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि बंगलादेश के सिराजगंज जिले में स्थित टैगोर का घर अब एक संग्रहालय है। रविवार को एक विवाद के बाद भीड़ ने वहां तोड़-फोड़ की थी।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया।

भाजपा कार्यकर्ता तीन मूर्ति चौक स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय पर एकत्र हुए और दो पुलिस बैरिकेड्स तोड़ते हुए बंगलादेश उच्चायोग की ओर बढ़ ने लगे, तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका और चाणक्य पुरी थाने ले गयी। करीब आधे घंटे बाद सभी को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इस मौके पर सचदेवा ने कहा कि भारत और बंगलादेश दोनों के ही राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखे हैं।

इज़रायल का "आयरन डोम" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत लंबे समय से इज़राइली रक्षा तकनीक को मजबूत, युद्ध-परीक्षित और रणनीतिक रूप से विश्वसनीय मानता आया है। यह छवि अब भी काफी हद तक बरकरार है, लेकिन यह घटना स्पष्ट करती है कि कोई भी प्रणाली अचूक नहीं होती। किसी भी एक डिफेंस लेयर, चाहे वह इज़राइली हो, अमेरिकी हो, रूसी हो या स्वदेशी हो, पर अत्यधिक निर्भरता खतरनाक हो सकती है। भारत को इज़राइली मिसाइल रक्षा के अधिग्रहण को अब एक वास्तविक बहु-स्तरीय और अनुकूलनशील रक्षा ढांचे के निर्माण की आवश्यकता के साथ संतुलित करना होगा।

यह घटना स्वदेशी अनुसंधान और विकास (जैसे डीआरडीओ की आकाश और क्यूआरएसएम प्रणालियाँ) की महत्ता और आयातित व स्वदेशी प्लेटफार्मों के बीच तालमेल की जरूरत को भी रेखांकित करती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भारत की अपनी कमजोरियों को भी उजागर करती है, विशेषकर इसके वायु सैन्य अड्डों, शहरी केन्द्रों और पश्चिमी व उत्तरी सीमाओं पर स्थित रणनीतिक परिसंपत्तियों पर सैचुरेशन हमलों के प्रति।

भारत को भविष्य की प्रौद्योगिकी-आधारित प्रतिरोध क्षमताओं में भी निवेश करना होगा, जैसे उच्च-ऊर्जा लेज़र, ड्रोन स्वार्म, एआई, संचालित हवाई क्षेत्र प्रबंधन, और इलैक्ट्रो मैगनैटिक युद्ध प्रणाली, जो पारंपरिक इंटरसेप्टर मिसाइलों की तुलना में अधिक तेज़ी से खतरों का जवाब दे सकती हैं।

इज़राइल-ईरान संघर्ष अब एक बेहद खतरनाक और अभूतपूर्व चरण में प्रवेश कर चुका है, जहाँ सीधे सैन्य हमले और लक्षित हत्याएँ सामने आ रही हैं, और यह इस क्षेत्र, और संभवत: विश्व, को एक बड़े संघर्ष की ओर ले जा सकता है।

13 जून 2025 को, इज़राइल ने "ऑपरेशन राइज़िंग लायन" लॉन्च किया, यह एक व्यापक हवाई हमला था, जिसमें ईरान के भीतर 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। इनमें नतांज जैसे परमाणु संवर्धन केन्द्र, भूमिगत सैन्य परिसर, और प्रमुख कमांड सैंटर शामिल थे। यह हमला केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत भी था। इस हमले में ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए, जैसे आईआरजीसी कमांडर होसैन सलामी, सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल मोहम्मद बाघेरी, वरिष्ठ रणनीतिकार गोलाम अली राशिद, और कई परमाणु वैज्ञानिक। ईरान ने इस हमले को राष्ट्रीय नायकों की सामूहिक हत्या बताया और कम से कम 78 लोगों की मौत तथा 320 से अधिक के घायल होने की पुष्टि की।

इसके जवाब में, ईरान ने मिसाइलों और ड्रोन से समन्वित हमला किया, जिसमें, कुछ रिपोर्टों के अनुसार, 100 से 200 प्रक्षेपास्त्र शामिल थे। इनके लक्ष्य थे, तेल अवीव और यरूशलेम जैसे शहरों का केंद्र और प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठान। यह जवाबी हमला इज़राइल की प्रसिद्ध आयरन डोम प्रणाली में एक बड़ी सेंध था। कई मिसाइलें इंटरसेप्ट से बच निकलीं और सीधे शहरी व सैन्य ठिकानों को भेद गईं, जिनमें किरिया कंपाउंड (जो इज़राइल का पेंटागन कहा जाता है) भी शामिल है।

इसका मनोवैज्ञानिक असर तात्कालिक था। इज़राइली शहरों में सायरन गूंज उठे, नागरिक बंकरों में भागे, और आयरन डोम की अजेयता का भ्रम चकनाचूर हो गया।

ट्रंप, इज़रायल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अराग़ची ने भी, अपने एक कथन से इन राजनीतिक प्रयासों की पुष्टि की, जिसमें उन्होंने कहा कि ईरान अब भी परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए तैयार है, यह ट्रंप के उस बयान का संभावित जवाब है जिसमें उन्होंने ईरान से परमाणु वार्ता की मेज पर लौटने को कहा था।

अराग़ची ने तेहरान में विदेशी डिप्लोमैट्स से कहा, "हम किसी भी ऐसे समझौते के लिए तैयार हैं जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना हो कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए।"

1,500 कश्मीरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगी, बल्कि यह भी साबित करेगी कि वह अपने नागरिकों, विशेष रूप से कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों, की सुरक्षा को कितनी प्राथमिकता देता है।

सहायता के लिए, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की 24X7 आपातकालीन हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते है, या, विदेशों में भारतीय नागरिकों के लिए आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से, अपनी स्थिति और संपर्क विवरण पंजीकृत कर सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908